RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 72 ● भिलाई, बुधवार 17 सितम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

अयोध्या से वाराणसी जा रही बस की ट्रेलर से टक्कर

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में सोमवार सुबह अयोध्या से वाराणसी जा रही एक टूरिस्ट बस अचानक अनियंत्रित होकर सामने से आ रही ट्रेलर से टकरा गई। इस हादसे में चार लोगों की जान चली गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा वाराणसी-लखनऊ हाईवे पर लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सीहीपुर के पास हुआ। हादसे में मरने वाले सभी श्रद्धालु छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे। सभी रामलला के दर्शन करने अयोध्या गए थे और वहां से वाराणसी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने जा रहे थे। इस हादसे में घायल हुए लोगों को जिला अस्पताल भेजा गया। वहीं, ट्रेलर चालक से पूछताछ की जा रही है। हादसे के चलते हाईवे पर कुछ देर जाम की स्थिति भी बनी, जिसे पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सामान्य किया।

सपा सांसद वीरेंद्र सिंह का बड़ा बयान : सूर्यकुमार यादव को बताया पीडीए का साथी

वाराणसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने एशिया कप 2025 में रविवार को दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान को 7 विकेट से पटखनी दी। इसके बाद चंदौली से सपा सांसद वीरेंद्र सिंह ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। सपा सांसद वीरेंद्र सिंह ने कहा कि यह मैच क्यों हुआ और किसको खुश करने के लिए हुआ, ये सोचने की बात है। एक बड़े नेता के बेटे के सामने देश का स्वाभिमान गिरवी रख दिया गया। ये देश के लिए बड़े शर्म की बात है। सपा सांसद ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग) का साथी बताया। सूर्यकुमार यादव के पाकिस्तानी कैप्टन से हाथ नहीं मिलाने पर वीरेंद्र सिंह ने कहा कि ये उनका स्वयं का निर्णय रहा होगा।

दिशा पाटनी के घर की गली में बन रहा लोहे का गेट, फायरिंग के बाद उठाया गया कदम

बरेली। अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर 12 सितंबर की सुबह अज्ञात हमलावरों ने फायरिंग की थी। दो अज्ञात लोग बाइक पर आए और दिशा के घर पर कई राउंड गोलियां चलाकर फरार हो गए। इस हमले के बाद से ही दिशा पाटनी के परिवार वाले और आसपास के लोग दहशत में हैं। इसी बीच, सुरक्षा बढ़ाने के लिए गली के मुख्य द्वार पर एक लोहे का गेट लगाया जा रहा है। इसका काम तेजी से जारी है। हमले के बाद से ही लोगों में दहशत का माहौल था। इसलिए गली की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए उसके मुख्य द्वार पर एक भारी-भरकम लोहे का गेट लगाया जा रहा है। इस दौरान एसपी सिटी सहित तमाम आला अधिकारी दिशा पाटनी के घर में मौजूद रहे। साथ ही दिशा पाटनी के घर की तरफ आने-जाने वाले मार्गों पर सीसीटीवी कैमरों की जांच पड़ताल पुलिस ने की। इस दौरान क्षेत्राधिकारी आशुतोष शिवम कई घर और दुकानों के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच करते नजर आए।

जान पर खेल जिंदगी बचाने में लगे जवान

बादल फटने से तबाही...15 लोगों की मौत, कुछ लापता

देहरादून/ एजेंसी

राजधानी देहरादून में मंगलवार की रात बारिश कहर बनकर बरसी। दून घाटी के सहस्रधारा में बादल फटने से तबाही मच गई। यहां कई संपत्तियां नष्ट हुई और लोग लापता हो गए। कई नदियां ऊफान पर आई तो अपने साथ लोगों को बहाकर ले गईं। मालदेवता से ऊपर एक गांव में मकान गिर गया जिसमें आठ लोग दब गए। शाम तक कुल 15 लोगों के शव अलग-अलग जगहों से बरामद हुए। प्रेमनगर नंदा की चौकी के पास दशकों पुराना पुल टूट गया जिससे यातायात पूरी तरह बंद हो गया। इसके अलावा कई और छोटे-बड़े पुलों को नुकसान पहुंचा। इससे भी आवाजाही बाधित हो गई। प्रसिद्ध टपकेश्वर मंदिर और जामुनवाला स्थित एकादश हनुमान मंदिर को बड़ा नुकसान हुआ। पर्यटक स्थल गुच्चू पानी में सरकारी और निजी कई संपत्तियां पूरी व आंशिक रूप से नष्ट हो गईं। मालदेवता क्षेत्र में भी व्यापक स्तर पर नुकसान हुआ। देहरादून और आसपास के इलाकों में सोमवार शाम से ही बारिश हो रही थी। देर रात तक बारिश की तीव्रता बढ़ी तो नुकसान की खबरें आने लगीं। अतिवृष्टि ने दून घाटी में हर जगह तबाही मचाई। शहर के बीचोंबीच डालनवाला का रिस्पना नदी से सटा इलाके में भारी नुकसान हुआ। यहां मोहिनी रोड पर बना पुल क्षतिग्रस्त हो गया। देर रात करीब एक बजे सहस्रधारा क्षेत्र में बादल फट गया जिससे पानी दर्जनों इमारतों को अपनी चपेट में ले लिया। क्षेत्र में कुल चार लोग बह गए। इनमें से तीन के शव शाम तक बरामद हो गए। सबसे ज्यादा जान का नुकसान झाझरा क्षेत्र में आसन नदी में हुआ। यहां खनन कार्य में लगे 16 मजदूर ट्रैक्टर समेत बह गए। अलग-अलग जगहों से शाम तक इनमें से आठ लोगों के शव बरामद कर लिए गए थे। दो लोग घायल भी हुए और छह लोग शाम तक लापता बताए गए। उधर, मालदेवता से करीब सात किलोमीटर ऊपर फुलेट गांव में एक मकान गिरने से वहां आठ लोग दब गए। ग्रामीणों ने दो लोगों के शव तो निकाल लिए। शाम तक पुलिस और अन्य बचाव दल गांव तक पहुंचने की जद्दोजहद में लगे थे। मालदेवता के पास टिहरी क्षेत्र को जोड़ने वाले पुल की अप्रोच रोड पानी में बह गई। प्रसिद्ध टपकेश्वर मंदिर में कुछ साल पहले स्थापित की गई बड़ी पीतल की प्रतिमा बह गई। मंदिर के गर्भगृह तक पानी पहुंचा और शिवलिंग तक डूब गया। जामुनवाला स्थित एकादश मुखी हनुमान मंदिर परिसर भी आधे से ज्यादा पानी में बह गया। मुख्य मंदिर भी खतरे की जद में आ गया। शाम तक बचाव दलों ने कुल 70 लोगों को अलग-अलग जगहों से सुरक्षित निकाल लिया था। वहीं, आसन नदी में अचानक तेज बहाव में कई लोग फंस गए थे। इनमें से एक युवक वहां बिजली के खंभे पर चढ़ गया।

फुलेट गांव में मकान गिरा आठ मजदूर दब गए.......

फुलेट गांव में एक मकान गिर गिरने से आठ मजदूर दब गए हैं. दो को स्थानीय लोगों ने निकाल लिया है. यह गांव शहर से करीब 18 किमी ऊंचाई पर है. यहां पैदल चढ़ाई कर जाने में टीमों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है. विकास नगर में टोंस नदी में पानी का बहाव अचानक तेज हो गया. इस दौरान मजदूरों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली नदी में बह गई. इसमें 8 लोगों की मौत और 4 के लापता होने की खबर है.

मुख्यमंत्री धामी कर रहे प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण

सहस्त्रधारा में देर रात अचानक हुई तेज बारिश से बादल फटने जैसे हालात देखने को मिले और इससे बड़े पैमाने पर नुकसान होने की सूचना है. मुख्य बाजार में मलबा आने से 2 से 3 बड़े होटल और कई दुकानें क्षतिग्रस्त हो गई हैं. देहरादून में तमसा नदी रौद्र रूप में आ गई है. टपकेश्वर मंदिर में शिवलिंग तक डूब गया है. मंदिर परिसर को खाली कराया गया है.

ट्रक ड्राइवर के अपहरण मामले में हैं आरोपी

मां के बाद पूजा खेडकर के पिता और बॉडीगार्ड भी लापता

ठाणे। एजेंसी

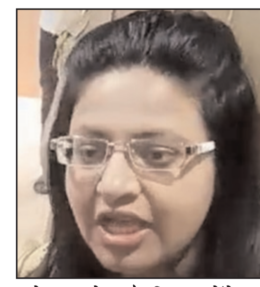

पूर्व आईएएस प्रोबेशनर पूजा खेडकर के पिता और उनके बॉडीगार्ड ट्रक ड्राइवर के अपहरण के मामले में फरार हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी उस एसयूवी गाड़ी के साथ रविवार से लापता हैं, जिसमें अपहरण किया गया था। यह घटना शनिवार शाम नवी मुंबई के मुलुंड-ऐरोली रोड पर हुई। एक कंक्रीट मिक्सर ट्रक पूजा खेडकर के परिवार की लैंड क्रूज़र कार से हल्का टकरा गया। इसके बाद कार में बैठे दो लोग, पूजा के पिता दिलीप खेडकर और उनके बॉडीगार्ड प्रफुल्ल सालुंखे, ट्रक ड्राइवर प्रह्लाद कुमार से झगड़ पड़े। आरोप है कि उन्होंने कुमार को जबरन एसयूवी में बैठाया और उसे पुणे में मौजूद पूजा खेडकर के बंगले में ले गए। पुलिस ने रविवार को बंगले से ड्राइवर को सुरक्षित बचा लिया। नवी मुंबई के डीसीपी (जोन 1) पंकज दाहाने ने बताया कि अपहरण का मकसद एसयूवी को हुए नुकसान की भरपाई कराना था। पूजा की मां मनोरमा खेडकर पर आरोप है कि उन्होंने रविवार को पुलिस को बंगले में घुसने से रोका। उन्होंने पुलिस को भरोसा दिलाया था कि दोपहर 3 बजे तक दोनों आरोपी पुलिस स्टेशन आ जाएंगे। लेकिन समय आने पर उन्होंने फोन पर पुलिस से साफ कहा, 'जो करना है कर लो।' जब पुलिस दोबारा बंगले पर पहुंची तो वहां न आरोपी थे, न ही वह एसयूवी। आरोप है कि मनोरमा ने ही गाड़ी हटवाई, आरोपियों को भगाया और बंगले के गेट पर दो खतरनाक कुत्ते छोड़ दिए, जिससे पुलिस अंदर नहीं जा पाई। सोमवार को पुणे और नवी मुंबई पुलिस की संयुक्त टीम ने फिर से बंगले की तलाशी ली।

गोरा होटल के पास फायरिंग, एक व्यक्ति घायल

जोधपुर। शहर के गोरा होटल के पास को आपसी रंजिश के चलते फायरिंग की घटना सामने आई। घटना में नाथूराम नामक व्यक्ति घायल हो गया, जिसे तुरंत अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कथित तौर पर रवि बिश्नोई और उसके साथियों ने फायरिंग की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और जांच शुरू की। आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। गौरतलब है कि एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में पहले ही इस तरह की आशंका जताई गई थी।

योगी सरकार पर तीखा हमला

गोरखपुर में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हुए -अखिलेश यादव

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को गोरखपुर के मऊचापी गाँव में पशु तस्करों के साथ मुठभेड़ में एक मेडिकल छात्र की मौत पर उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना की और कहा कि इस घटना ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विधानसभा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की ध्वस्तता को उजागर किया है। यादव ने दावा किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्वाचन क्षेत्र में एक व्यापारी की हत्या सहित लगातार अपराध हो रहे हैं। सपा नेता ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विधानसभा क्षेत्र में हुई यह पहली घटना नहीं है - इससे पहले भी गोरखपुर में पुलिस ने एक व्यापारी की हत्या कर दी थी। गोरखपुर और उसके आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर अन्याय हो रहा है।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

महाराष्ट्र में 31 जनवरी 2026 तक निकाय चुनाव कराने का निर्देश..

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार और राज्य चुनाव आयोग को 31 जनवरी, 2026 तक राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने महाराष्ट्र के अधिकारियों को इस साल 10 अक्तूबर तक राज्य में परिसीमन प्रक्रिया पूरी करने का भी निर्देश दिया। शीर्ष न्यायालय ने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि 6 मई को जारी उसके तर्कसंगत आदेश के बावजूद राज्य चुनाव आयोग इस संबंध में शीघ्र कार्रवाई करने में विफल रहा। तत्कालीन आदेश में स्थानीय निकाय चुनावों की अधिसूचना चार सप्ताह के भीतर और चुनाव चार महीने के भीतर कराने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने अब महाराष्ट्र में स्थानीय चुनाव कराने के लिए कार्यक्रम निर्धारित करते हुए समय सीमा में और विस्तार दे दिया है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस संबंध में आगे कोई विस्तार नहीं दिया जाएगा। इससे पहले 22 अगस्त 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग और महाराष्ट्र सरकार को स्थानीय निकायों की चुनाव प्रक्रिया के संबंध में यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया था। इससे पहले महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका में शीर्ष अदालत के उस आदेश को वापस लेने की मांग की गई थी, जिसमें राज्य चुनाव आयोग को निर्देश दिया गया था कि नई आरक्षण नीति उन 367 स्थानीय निकायों पर लागू नहीं होगी।

मुंबई में लगातार बारिश के जनजीवन बेहाल, मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

मुंबई । मुंबई और उसके आसपास के जिलों में सोमवार रात से ही तेज बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने मुंबई में अगले कुछ घंटों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। भारी बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई और लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मुंबई के कई जिलों में सोमवार रात से ही लगातार तेज बारिश हो रही है, जिसकी वजह से जनजीवन प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ घंटों में गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है।

मोदी सरकार का नशा मुक्त भारत का संकल्प

2047 का विजन तभी सफल जब देश हो नशा मुक्त-गृहमंत्री शाह....

नई दिल्ली/ एजेंसी

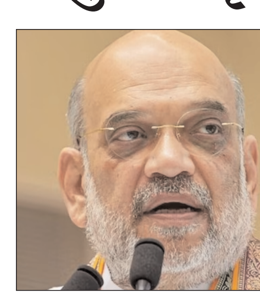

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार देश से सभी प्रकार के नशीले पदार्थों का सफाया करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मादक द्रव्य निरोधक कार्यबल (एएनटीएफ) के प्रमुखों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ कार्रवाई के पैमाने में बदलाव किया जाए ताकि आने वाले दिनों में और अधिक सफलताएँ मिलें। अमित शाह ने कहा कि मोदी जी ने 2047 में एक महान भारत के निर्माण की संकल्पना प्रस्तुत की। एक ऐसा भारत जो पूर्णत: विकसित होगा। अगर हमें ऐसा भारत बनाना है, तो अपनी युवा पीढ़ी को नशे से बचाना बेहद ज़रूरी है। क्योंकि किसी भी महान राष्ट्र की संकल्पना, उसकी नींव उस देश की युवा पीढ़ी होती है। अगर हमारी आने वाली पीढ़ियाँ खोखली हो जाएँगी, तो देश भटक जाएगा... दुर्भाग्य से, वे दोनों क्षेत्र जहाँ से दुनिया भर में नशे की आपूर्ति होती है, हमारे नज़दीक ही हैं... इसलिए यही समय है कि हम इसके खिलाफ मजबूती से लड़ें। शाह ने कहा कि तीन तरह के कार्टेल होते हैं।एक वो कार्टेल जो देश के सभी एंट्री पॉइंट्स पर काम करता है, दूसरा वो कार्टेल जो एंट्री पॉइंट से राज्य तक डिस्ट्रीब्यूशन का कार्टेल है और तीसरा वो कार्टेल जो राज्यों में पान की दुकान या गली के नुक्कड़ पर ड्रग्स बेचने तक काम करता है।

ईडी का दावा-एक हजार करोड़ रुपए किये थे मैनेज

शराब घोटाले में सिंडिकेट के प्रमुख हैंडलर थे चैतन्य बघेल...

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी अभियोजन शिकायत में आरोप लगाया है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले के सिंडिकेट के मुखिया थे। उन्होंने इससे करीब एक हजार करोड़ रुपये का प्रबंधन व्यक्तिगत रूप से किया था। ईडी ने कोर्ट में पेश चालान में चैतन्य को सिंडिकेट का प्रमुख हैंडलर बताया है। ईडी ने दावा किया है कि चैतन्य ने सिंडिकेट के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर जानबूझकर अपराध की आय को छिपाने, रखने और प्राप्त करने और उपयोग करने में मदद की। ईडी ने सोमवार को जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (चतुर्थ) दमरुधर चौहान की अदालत में दायर अपनी चौथी पूरक अभियोजन शिकायत (आरोप पत्र) में यह दावा किया। ईडी ने चैतन्य बघेल को 18 जुलाई को दुर्ग जिले के भिलाई शहर में उनके घर की तलाशी के बाद गिरफ्तार किया था, जो उनके पिता के साथ साझा है। कथित 2,500 करोड़ रुपये का शराब घोटाला 2019 से 2022 के बीच हुआ था, जब राज्य में भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार सत्ता में थी। ईडी ने अब तक इस मामले में एक अभियोजन शिकायत और चार पूरक शिकायतें दर्ज की है और दावा किया है कि कथित घोटाले से राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ और शराब सिंडिकेट के लोगों की जेबें भरी गईं। ईडी ने रायपुर की एक विशेष अदालत में 7,039 पेजों की पूरक अभियोजन शिकायत (आरोप पत्र) दाखिल करते हुए कहा कि साल 2019 में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार के गठन के बाद एक संगठित शराब सिंडिकेट बनाया गया था। इस सिंडिकेट के संचालन के लिए तत्कालीन आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा और शराब व्यवसायी अनवर ढेबर (दोनों को पिछली अभियोजन शिकायतों में आरोपी बनाया गया था) को प्रमुख चेहरे के रूप में चुना गया था। इस सिंडिकेट पर चैतन्य का राज था और उसकी भूमिका केवल प्रतीकात्मक ही नहीं, बल्कि प्रभावशाली और निर्णायक भी थी। वह सिंडिकेट के एकत्र किए गए सभी अवैध धन का 'हिसाब' (हिसाब) रखने के लिए जिम्मेदार थे। धन के संग्रह, चैनलाइज़ेशन और वितरण से संबंधित सभी बड़े फैसले उसके निर्देशों पर लिए जाते थे। मुख्यमंत्री के बेटे के रूप में उसकी स्थिति ने उसे सिंडिकेट का नियंत्रक और अंतिम अधिकारी बना दिया। ईडी ने दावा किया कि चैतन्य अपराध की आय का प्राप्तकर्ता है। जिसे उसने अपनी रियल एस्टेट परियोजना में शामिल किया है और इस तरह विकसित की गई इन संपत्तियों को बेदाग संपत्ति के रूप में पेश और दावा कर रहा है। जांच से पहले ही पता चला है कि अपराध की आय का एक बड़ा हिस्सा लक्ष्मी नारायण बंसल उर्फ पप्पू नामक व्यक्ति द्वारा एकत्र किया जा रहा था, जिसने ईडी के समक्ष अपने बयान में खुलासा किया है कि उसने चैतन्य के साथ मिलकर शराब घोटाले से उत्पन्न एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की अपराध की आय को संभाला था।

रियल एस्टेट में 28.90 करोड़ रुपए निवेश

ईडी ने आरोप लगाया कि चैतन्य शराब सिंडिकेट का केंद्रीय व्यक्ति और नियंत्रक था जो इसके वित्त पर सीधा नियंत्रण रखता था। अवैध धन के प्रवाह की निगरानी करता था और अपराध की आय का इस्तेमाल निजी और व्यावसायिक कार्यों के लिए करता था। चैतन्य बघेल ने अपराध की आय से 18.90 करोड़ रुपये अपनी रियल एस्टेट परियोजना, विठ्ठल ग्रीन और 3.10 करोड़ रुपये अपनी रियल एस्टेट फर्म मेसर्स बघेल डेवलपर्स एंड एसोसिएट्स में इस्तेमाल किए थे। चालान में 10 करोड़ रुपए कैश में निवेश करने का उल्लेख है। जांच में आरोपियों के मोबाइल फोन से बरामद व्हाट्सएप चैट के रूप में महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य भी दर्ज किए गए हैं। ईडी ने उक्त आरोप चैतन्य के सीए, सलाहकार इंजीनियर से जब्त डिजिटल एविडेंस और साइट में काम करने वाले इंजीनियरों के बयान के आधार पर लगाया है।

CMYK

सड़क दुर्घटना में जप्त ट्रक को छुड़वाने लगाए गए सुपुर्दगी आवेदन को खारिज कर पीड़ित के प्राप्त आवेदन को न्यायालय ने किया स्वीकार

बालोद सीजेएम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

बालोद। जिला न्यायालय में सीजेएम कोर्ट ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए सड़क दुर्घटना के मामले में आरोपी ट्रक मालिक/चालक द्वारा पुलिस जप्त ट्रक को छुड़ाने लगाए गए ट्रक सुपुर्दगी के आवेदन को खारिज करते हुए पीड़ित पक्ष द्वारा लगाए गए आपत्ति को स्वीकार करते हुए बढ़ते सड़क दुर्घटना के मामले में एक उचित न्याय किया है। मामले में आप को बता दे कि 8 सितम्बर को बालोद गंजपारा निवासी सुप्रीत शर्मा अपने मित्र के साथ बालोद की तरफ आ रहे थे कि तभी ग्राम पारागांव पुल के पास दुर्ग की तरफ जाने वाली बस खड़ी थी, जिसे ओवर टेक करते हुए काफी रफ़्तार में लापरवाही पूर्ण ट्रक क्रमांक सीजी 06 एल 1282 ने सुप्रीत शर्मा की वाहन महिंद्रा कंपनी के मॉडल 3एक्सओ क्रमांक सीजी 24 वी 5558 को जबरदस्त टक्कर मार दी, इस घटना में वाहन चला रहे सुप्रीत शर्मा और उसके दोस्त बाल बाल बचे। वही वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जिसके बाद मामले की जानकारी बालोद थाने में दी गई और ट्रक छोड़ के भाग रहे ट्रक चालक को खेत में जा के पकड़ा गया। मामले में बालोद थाने में अपराध दर्ज किया गया।

ट्रक के फिटनेस और अन्य कागजों पर संदेह जाहिर

जिसके बाद ट्रक मालिक ने ट्रक छुड़वाने के लिए अपने अधिवक्ता के माध्यम से ट्रक सुपुर्दगी के लिए सीजेएम कोर्ट में आवेदन लगाया। जिसके जवाब में पीड़ित सुप्रीत शर्मा ने अपने अधिवक्ता धीरज उपाध्याय के माध्यम से सुपुर्दगी न देने पर आपत्ति आवेदन लगा कर न्यायालय को बताया कि उस दिन की घटना में उसकी जान भी चली जाती, वही ट्रक मालिक ने धमकाया कि जो करना है कर लो 2 दिन में ट्रक छुड़वा लेंगे। साथ ही ट्रक के फिटनेस और अन्य कागजों पर संदेह जाहिर किया। जिसके बाद न्यायालय सीजेएम संजय कुमार सोनी ने ट्रक सुपुर्दगी के आवेदन को खारिज कर दिया। जहां न्यायालय की आम जनता ने तारीफकरते हुए कहा कि आयरन ओर से भरी ट्रकों के कारण कई बार घटना हुई है और कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है, न्यायालय द्वारा ये निर्णय देकर लापरवाही पूर्ण ट्रक चालने वाले को सबक मिलेगा जो ये सोचते है कि दुर्घटना के बाद आसानी से न्यायालय से ट्रक छुड़वा लेंगे। वही कई लोगों ने कहा कि ऐसे ट्रकों को सड़कों पर चलने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए।

आज भी सड़को पर सरपट दौड़ते हैं बड़े वाहन

अक्सर देखा जाता है कि सड़क दुर्घटनाओं में बड़े वाहन जिनकी गलतियां होती हैं, जो सड़क पर बेपरवाह और यातायात नियमो का उलंघन कर सड़क पर फर्राटे से वाहन दौड़ाते है और उस गलती की वजह से दुर्घटनाओ में जनहानि एवं लोग घायल हो जाते हैं। इसके बाद चालक/ट्रक मालिक बड़ी आसानी से कोर्ट से अपने वाहनों को छुड़ा ले जाते हैं। लेकिन इस निर्णय के बाद ऐसे वाहन जो यातायात नियमों का उल्लंघन करते हुए अपने वाहन को सरपट सड़कों पर दौड़ाते हैं, और जिन्हें लगता है कि कभी कोई दुर्घटना हुई तो पुलिसिया कार्यवाही व वाहन जब्ती के बाद वे आसानी से अपने वाहन को छुड़वा ले जाएंगे। उन वाहन चालकों एवं संचालकों में हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई है।

छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने पर शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौंडी में हुआ संगोष्ठी का भव्य आयोजन

मुख्य बिंदु

युवाओं की भूमिका और जिम्मेदारी पर बल, नई शिक्षा नीति 2020 की उपयोगिता पर चर्चा, जल, बिजली एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की अपील, सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरूकता, कार्यक्रम का समापन देशभक्ति नारों भारत माता की जय एवं छत्तीसगढ़ महतारी की जय के साथ हुआ। अतिथियों ने छात्रों के उज्वल भविष्य की कामना की।

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौंडी में रजत जयंती वर्ष 2025 के अंतर्गत संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, प्रबुद्धजन, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। भाजपा जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा-छत्तीसगढ़ राज्य 25 वर्ष पूर्ण कर गौरवपूर्ण रजत जयंती मना रहा है। उन्होंने राज्य के संसाधनों, विकास की यात्रा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत विकसित भारत 2047 विजन डॉक्यूमेंट की चर्चा करते हुए युवाओं से शिक्षा के साथ प्रकृति संरक्षण, संस्कृति संवर्धन और समाज निर्माण में भागीदारी की अपील की। देशमुख ने डौंडी क्षेत्र में छात्राओं की संख्या पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि-90त्न छात्राएं होना 'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ' अभियान की सच्ची सफलता है। भाजपा जिला महामंत्री राकेश यादव ने कहा किछत्तीसगढ़ देश का एकमात्र राज्य है जिसे 'महतारी' कहकर संबोधित किया जाता है। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के संघर्ष, अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान और भाजपा सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा-छत्तीसगढ़ की यात्रा शोषण से स्वाभिमान तक की यात्रा रही है। महाविद्यालय के प्राचार्य योगेंद्र साहू ने अपने पिता की शिक्षकीय परंपरा का उदाहरण देते हुए छात्रों को लक्ष्य निर्धारित करने और सतत विकास की दिशा में प्रयासरत रहने का संदेश दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत 2047 विजन एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रस्तुत विकसित छत्तीसगढ़ अंजोर 2047 डॉक्यूमेंट की विस्तृत जानकारी दी। प्राचार्य साहू ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार का वर्तमान टर्नओवर 5 लाख करोड़ है, जिसे 2047 तक 75 लाख करोड़ करने का लक्ष्य है। बेरोजगारी दर को 2.7 प्रतिशत से घटाकर 1प्रतिशत करना, शिशु मृत्यु दर को प्रति हजार 38 से घटाकर 5 तक लाना, जीवन प्रत्याशा को 65 वर्ष से बढ़ाकर 85 वर्ष तक करना, उन्होंने युवाओं से सतत विकास की दिशा में सरकार के साथ मिलकर कार्य करने का आह्वान किया, अजय चौहान जनभागीदारी समिति अध्यक्ष, सोमेश सोरी जिला मंत्री, मनीष झा जिला सह कोषाध्यक्ष, मोहंतीन बाई चौरका नगर पंचायत अध्यक्ष मुकेश कौडो जनपद पंचायत अध्यक्ष, भोलाराम नेताम जनपद उपाध्यक्ष, संजीव मानकर नगर पंचायत उपाध्यक्ष, कमल पनपालिया जिला मीडिया प्रभारी, रुपेश नायक मंडल अध्यक्ष, इंछा राम साहू मंडल महामंत्री,अन्य जनप्रतिनिधिगण, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं नागरिकगण उपस्थित रहे।

शिक्षकों ने आयोजित किया शिक्षक सम्मान समारोह सहित रक्तदान शिविर

बेमेतरा। बेरला के कृषि उपज मंडी परिसर में ऐतिहासिक रूप से विकासखंड स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह और रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। लगातार 32 वर्ष से यह आयोजन किया जा रहा है। प्रति वर्ष के भांति इस वर्ष भी बहुत धूम धाम से मनाया गया। जिसमें वर्तमान में सेवानिवृत शिक्षकों का सम्मान विधायक दीपेश साहू समस्त अतिथियों के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में विधायक दीपेश साहू, अध्यक्षता जिला पंचायत बेमेतरा की अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी, पूर्व विधायक अवधेश चंदेल, नगर पंचायत अध्यक्ष विशाल राज देशलहरा, तहसील साहू संघ अध्यक्ष सूर्यकान्त साहू, वक्ता के रूप में रमेन्द्रनाथ मिश्र सेवानिवृत्त प्रोफेसर पंडित रविशंकर शुक्ल वि वि रायपुर और रवि श्रीवास्तव पूर्व उप प्राचार्य छ.ग. प्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन सहित बेरला विकासखंड के इस सैकड़ों शिक्षकों ने कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम में शिक्षक इकेश साहू एवं उनके टीम ने संगीत प्रस्तुत किया इस भजन कीर्तन ने कार्यक्रम की दिशा और दशा ही बदलकर रख दी लोग इतने मंत्र मुक्त हुए की पता ही नहीं चला ऐसे समय बीत गया। सबने खूब तारीफकी। इस सत्र में कुल 27 शिक्षकों की सेवानिवृत्ति हुई। जिनका समिति के द्वारा मंच के माध्यम से शाल, श्रीफल, प्रतीक चिन्ह तथा एक पेड़ माँ के नाम के तहत डॉ राजेंद्र झा प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कंडरका के द्वारा पेड़ भेंट किया गया। साथ ही इस वर्ष उत्कृष्ट कार्य करने वाले 42 शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। सूर्यकांत साहू साहू समाज के तहसील अध्यक्ष ने सभी प्रतिभावान छात्रों को चांदी के मेडल से सम्मानित किया। जिसमें विकासखंड के 10 वीं और 12 वीं में प्रथम और द्वितीय आने वाले छात्र छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। क्षेत्र के गौरव और राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कंडरका की नवाचारी शिक्षिका केवरा सेन का भी शाल, श्रीफल, प्रतीक चिन्ह, व प्रमाण पत्र देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ माँ सरस्वती और डॉ राधाकृष्णन के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। बेमेतरा के विधायक दीपेश साहू सहित सभी अतिथियों के माध्यम से उपस्थित सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों का और वर्तमान में कार्यरत शिक्षकों का सम्मान किया गया। प्रति वर्ष के भांति लगभग 26 लोगों ने रक्तदान किया। जिससे किसी भी जरुरत मंद लोगों को मदद मिल सके। वक्ता डॉ रमेन्द्र नाथ मिश्र ने कहा की शिक्षक के पास शब्दों की सेना होती है, जिससे वह समाज में फैल रही धर्मांधता और कुरीतियों को कुचला जा सकता है।, पूर्व विधायक अवधेश चंदेल ने कहा ऐसा कोई नहीं जो अपने गुरु की याद न करता हो मेरी जीवन का सबसे महत्वपूर्ण फल होता है कि मैं आप जैसी गुरुओं का सम्मान कर पाता हूं। विधायक दीपेश साहू ने कहा जो भी है सब गुरुजनों की देंन है। बेरला ब्लॉक के शिक्षकों में शिक्षा के प्रति एक अलग ही लगन देखने को मिलता है। यहां के अधिकारी भी लगातार शिक्षा क्षेत्र की भौतिक समस्याओं पर चर्चा करते रहते हैं। गुरूजनों का सम्मान करके मै स्वंय सम्मानित हो रहा हूँ। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका हमारे संकुल समन्वयकों की होती है जो प्रत्येक शिक्षक तक पहुंचते हैं निमंत्रण देते हैं और सहयोग राशि वसूल करें ईमानदारी से मंच तक पहुंचाते है, इसलिए आयोजन समिति ने इन सबको धन्यवाद प्रेषित किया है। इस भव्य एवं गरिमामय समारोह में शिक्षक सम्मान समिति के अध्यक्ष भिखूराम साहू, सचिव सुरेंद्र पटेल, राजेश यादव, शिव धनकर, कुशल साहू, आशीष पाण्डेय, मनोज वर्मा, अशोक साहू, वरुण आडील, प्रफुल्ल वर्मा, योगेन्द्र साहू, गंगाधर दुबे, योगेन्द्र वर्मा, जलेश जांगडे, सुरेश निर्मलकर, डोमन साहू, प्रह्लाद टिकरिहा, डॉ राजेंद्र झा, डॉ राजेंद्र पाटकर, ताकेश्वर साहू, ललित टिकरिहा, केवरा सेन, दीपा आडील, सीमा साहू, उमा साहू, रमा तरार, फुलेश्वरी भूआर्य, सहित सैकड़ो की संख्या में शिक्षक उपस्थित हुए।

रक्तदान शिविर में भी शिक्षकों की सहभागिता रही। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कुछ शिक्षकों ने रक्तदान किया। जिसमें मनोज वर्मा ने 16वी बार रक्तदान किया, सुरेंद्र पटेल, जेपी यादव, भागीरथी उर्वशा, आशीष पांडे, नीतू परगनिहा, बृजकिशोर रेवती नारंग, रंगीता कुशल साहू, रविन्द्र साहू, जनतोष साहू, रोहित माहेश्वरी ने भी अमूल्य सहभागिता निभाई।

परिक्षेत्रीय साहू समाज कोण्डे पावर हाउस के तत्वावधान में पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया

दल्लीराजहरा। परिक्षेत्रीय साहू समाज कोण्डे पावर हाउस के तत्वावधान में पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। प्रथम पाली में विभिन्न प्रकार के खेलकूद हुए। कुर्सी दौड महिला वर्ग में प्रथम राजेश्वरी साहू, द्वितीय दुर्गा साहू बालक वर्ग में ईशान द्वितीय केशांक रहा। मटका दौड प्रथम अनिता द्वितीय देवंतिन रही। कु. ताने नृत्य की प्रस्तुत की। युवती टीम ने मां कर्मा से संबंधित गीत में सामूहिक नृत्य की प्रस्तुत दिया। मां कर्मा महिला प्रकोष्ठ ने सुवा गीत में नृत्य की। द्वितीय पाली में पुरुष्कार वितरण हुआ। मुख्य अतिथि तोरण लाल साहू अध्यक्ष नगर पालिका परिषद दल्ली राजहरा, अध्यक्षता युवराज साहू अध्यक्ष तहसील साहू संघ, विशेष अतिथि अंजू साहू, संगठन सचिव जिला साहू संघ, दौपती साहू सचिव, दामिनी साहू अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ थे। स्वागत भाषण परिक्षेत्रीय अध्यक्ष रेवती साहू ने दी। तोरण लाल साहू ने कहा पारिवारिक मिलन समारोह से हम सबको समाज के रीति रिवाज को जानने का अच्छा अवसर मिलता है। छुपी हुई प्रतिभा खुलकर निखरता है। हम सबका सामाजिक कार्य में भागीदारी होना चाहिए। युवराज साहू ने कहा सभी परिक्षेत्रीय मिलन समारोह करके हम सबको एक मंच में लाने का अच्छा साधन है। सामाजिक कार्य करते हुए हमें रचनात्मक कार्य करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करते हैं। हम सबको शासन की जनकल्याण कारी योजनाओं का लाभ लेना है। समाज में हम सबको आपसी सामंजस्य बनाकर कार्य करना है! अंजू साहू,दामिनी साहू, द्रौपती साहू ने भी सामाजिक विचार रखे। मंच संचालन रेखू राम साहू ने किया। आभार व्यक्त रामेश्वरी साहू ने की। आयोजन में गजेंद्र साहू रेखा साहू, राधिका साहू, नीरा साहू, कृपा साहू, रुपसिंग, नंदकुमार साहू, संतोष साहू, उमा साहू, लोकेश साहू, रामेश्वर साहू, केजा साहू, सीता साहू, मेनका साहू, युवती टीम अध्यक्ष आरती साहू एवं उनके टीम का विशेष योगदान रहा। सामाजिक सेवा के लिए अध्यक्ष रेवती साहू का सम्मान किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा हेतु देवरबीजा में कार्यशाला बैठक

बेमेतरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिन को सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाने का निर्णय भाजपा ने 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा की कार्यशाला बेमेतरा जिला के सभी मंडल में हो रही है। देवरबीजा मंडल की कार्यशाला बैठक पुर्व जिलाध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा ने प्रभारी के नाते ली। राजेन्द्र शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि पूरे देश में एक मात्र नेता नरेन्द्र मोदी है जिनका जन्म दिन सेवा के रूप में मनाया जाता है न कोई विज्ञापन न फूल माला ओर न ही कोइ सामरोह ऐसे जन सेवक के जन्म दिन की हम शुरुआत 17 सितम्बर को सण्डी की सिद्धि माता के दर्शन कर तत्पश्चात पूरे मन्दिर परिसर का साफसफाई से करेंगे देवी मां से प्रधानमंत्री के स्वास्थ्य एवं उनकी लम्बी आयु की कामना भी हम सब करेंगे। ऐसे ही सेवा के कार्य देवरबीजा के पूरे बूथ में आप लोगों को करना है और कार्यक्रम के बाद फोटो सोशल मीडिया सरल ऐप में और जिला भाजपा के व्हाट्सएप ग्रुप में डालना है। राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि गांव में कांग्रेस के कार्यकर्ता पंछा पहन कर केवल चुनाव में दिखाई देते है लेकिन भाजपा के कार्यकर्ता चुनाव के समाप्त होने के बात जनता की सेवा में हमेशा तत्पर रहते है और हम सब कार्यकर्ताओं को प्रेरणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलती है। राजेन्द्र शर्मा ने पूरे पखवाड़े में क्या करना है इसे विस्तार से उपस्थित कार्यकर्ताओं के बीच रखा। बैठक में पूर्व विधायक अवधेश सिंह चंदेल, पूर्व जिला अध्यक्ष मंडल प्रभारी राजेंद्र शर्मा, मंडल अध्यक्ष सेवा राम साहू वरिष्ठ नेता बलराम पटेल, संजीव तिवारी, सुनिल राजपूत, बिशन साहू, नीरज राजपूत हेमलाल देवांगन सरपंच लीला साहू की उपस्थिति में सेवा पखवाड़ा से जुड़े विविध विषयों एवं जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस कार्यशाला में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उत्साहपूर्वक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

असामाजिक एवं अनैतिक कृत्यों पर लगेगा लगाम प्रशासन से शिकायत व मार्गदर्शन से लगाया प्रतिबंध

डोंगरगांव नगर। ब्लॉक के ग्राम पंचायत दीवानभेड़ी में असामाजिक तत्वों पर लगाम लगाने असामाजिक गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शिकायत करने पर प्राप्त मार्गदर्शन के आधार पर गांव में अनैतिक गतिविधियों को प्रतिबंधित कर सख्त कदम उठाते हुए आर्थिक दंड का भी प्रावधान किया गया है। इस संदर्भ में ग्राम पंचायत व ग्राम समिति के प्रमुखों व गणमान्यजनों ने मीडिया को बताया कि ग्राम सरहद में शराब विक्रय, गाँजा विक्रय करने पर 25 हजार, शराब गाँजा सेवन करने पर 11 हजार, गांव के तालाब, बाजार, चौक चौराहों पर शराबखोरी करने पर 11 हजार, सार्वजनिक जगहों में गालीगलौज व शांति भंग करने पर 11 हजार, दुकानों व प्रतिष्ठानों में शराब गांजा की सामग्री उपलब्ध कराने पर 11 हजार का दंड निर्धारित किया गया है। वहीं साक्ष्य सहित बताने वाले को 5 हजार ईनाम एवं नाम गोपनीय रखने प्रावधान किए गए। दीवानभेड़ी के गणमान्यजनों की माने तो अनैतिक कृत्य को साक्ष्य सहित बताने वाले को ग्राम का संरक्षण दिया जायेगा। वहीं बैठक में पारित निर्णय को अमान्य व अवहेलना करने पर ग्राम समाज से बहिष्कार की कार्रवाई होगी। इसके अलावा प्रशासन से कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की जावेगी।

माइक्रो फायनेंस के बैंककर्मी ने लगाई फांसी पिता द्वारा जहरखुरानी से क्षुब्ध था नवयुवक

वसूली की रकम लौटाने का दबाव होने की चर्चा

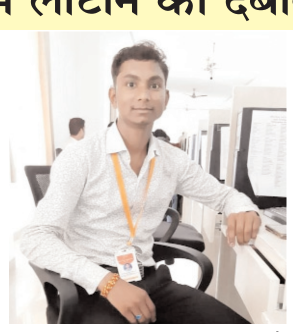

डोंगरगांव नगर। नगर के वार्ड 06 में एक नवयुवक ने फांसी लगाकर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। युवक को मोहला में किसी निजी माइक्रो फइनेंस कंपनी में कार्यरत बताया जाता है। घटना रविवार की है। युवक को उनके वार्ड 6 सेवतापारा डोंगरगांव नगर स्थित निवास समीप एक निर्माणाधीन भवन में फाँसी पर लटकते पाया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है। मृतक युवक के परिजनो एवं मोहल्ले के गणमान्यजनों ने मीडिया को बताया कि युवक चंद्रभान निर्मलकर पिता लखन निर्मलकर, 25 वर्ष, कुछ वर्षों से मोहला स्थित एक माइक्रो फायनेंस बैंक में कार्यरत था। युवक द्वारा समूहों से संकलित वसूली की राशि को जरूरत होने पर निजी उपयोग कर लेने की बात कही जा रही है। सूत्रों ने बताया कि वसूली राशि जमा करने बैंक से लगातार दबाव आने की भी अपुष्ट खबर है। मोहल्लेवासी बताते हैं कि हालिया दिनों ही बैंक का कोई कर्मचारी युवक के घर आकर वसूली की राशि जल्द जमा कर देने की हिदायत देकर गया था। इस वाकये के बाद से युवक व परिवार दबाव में आ गया था।

राशि जमा करने परिवार में दबाव

वार्डवासी बताते हैं कि युवक के पिता द्वारा भी 3 दिनों पुर्व ही जहरखुरानी कर लिया गया है, जिन्हें जिला चिकित्सालय में उपचाररत होने की बात कही जा रही है। ऐसी परिस्थितियों से क्षुब्ध युवक ने आखिरकार अपनी जान देकर ही अपनी जिन्दगी समाप्त कर ली। 3 भाईयों में छोटा था। मृतक के 3 वर्षीय पुत्र व एक बेटी होने की बात बताई गई है। पुलिस ने मामले में विवेचना प्रारंभ कर दी है।

संसाधन भत्ता बगैर अब नही होगा ऑनलाईन कार्य

डोंगरगांव नगर। कृषि विभाग अंतर्गत कृषि विकास अधिकारी एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों ने बगैर संसाधन भत्ता बगैर ऑनलाईन कार्यों को नही करने का निर्णय लेते हुए सोमवार को मुख्यमंत्री के नाम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डोंगरगांव को ज्ञापन सौंपा है। अधिकारियों के इस निर्णय से कृषि विभाग के कार्यों में रुकावट आने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि राज्य में कृषि विभाग के कृषि विकास अधिकारियों एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों ने छग कृषि स्नातक शासकीय कृषि अधिकारी संघ के प्रांतीय आव्हान पर अपनी 9 सूत्रीय मांगों की पूर्ति के लिए आंदोलनरत हैं। इसी क्रम में गत 8 एवं 9 सितंबर को काली पट्टी बाँधकर कार्य किया गया था। इसके बावजूद भी संघ की मांग लंबित होने से कृषि विभाग के समस्त अधिकारियों ने ज्ञापन के माध्यम से लंबित मांगों को पूर्ण करने की मांग की है।

कोलकाता में विज्ञान अनुसंधान यात्रा में कवर्धा जोन का प्रतिनिधित्व करेंगे बेमेतरा के विद्यार्थी

बेमेतरा। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद रायपुर द्वारा आयोजित विज्ञान अनुसंधान यात्रा के अंतर्गत 13 से 18 सितम्बर तक कोलकाता में होने वाले 11वें विज्ञान संगम में कवर्धा ज़ोन के चार छात्र प्रतिनिधित्व करेंगे। चयनित विद्यार्थियों में श्रुति पांडेय एवं जान्हवी देवांगन (पीएमश्री सेजेस शिवलाल राठी, बेमेतरा) तथा मानसी गुप्ता एवं रागिनी चौरसिया (पीएमश्री सेजेस, पंडरिया) शामिल हैं। इन विद्यार्थियों के साथ पीएमश्री सेजेस शिवलाल राठी, बेमेतरा की जीवविज्ञान व्याख्याता स्मृति अग्रवाल को आधिकारिक एस्कॉर्ट नियुक्त किया गया है। प्रतिभागी दल 15 सितम्बर को रायपुर से कोलकाता के लिए रवाना हुआ। यात्रा के दौरान छात्र-छात्राएँ साइंस सिटी का भ्रमण करेंगे तथा बिरला तारामंडल में आयोजित शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त वे अनुसंधान यात्रा से जुड़े विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी अपनी सहभागिता दर्ज कराएंगे। दल की वापसी 18 सितम्बर को होगी। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अनुसंधान प्रवृत्ति एवं सृजनात्मकता को बढ़ावा देना है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री गंदलाल चतुर्वेदी सहित स्थानीय शिक्षाविदों एवं अधिकारियों ने चयनित विद्यार्थियों और अग्रवाल को हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं ।

संक्षिप्त समाचार

छठ महापर्व का भव्य आयोजन, बिहार के उपमुख्यमंत्री को मिला निमंत्रण

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के महादेव घाट पर इस बार भी परंपरागत रूप से छठ महापर्व का भव्य आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेश सिंह ने बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को अंगवस्त्र भेंट कर छठ पूजा समारोह में भाग लेने के लिए सादर आमंत्रित किया। राजेश सिंह वर्तमान में अपने पैतृक निवास बिहार में हैं और बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एक विशेष मतदान जागरूकता अभियान भी चला रहे हैं। वे बिहार के कई जिलों में जाकर खासतौर पर छत्तीसगढ़ में रहने वाले बिहार मूल के लोगों से अपील कर रहे हैं कि वे अपने क्षेत्रों में जाकर वोट जरूर करें और मजबूत लोकतंत्र की स्थापना में योगदान दें। राजेश सिंह ने बताया कि छत्तीसगढ़ में लाखों बिहार निवासी विभिन्न उद्योगों, व्यवसायों और नौकरियों से जुड़े हैं, जिनका मतदान बिहार की राजनीति को महत्वपूर्ण दिशा दे सकता है। पिछले तीन महीनों से वे इस अभियान में सक्रिय हैं और बिहार के कई मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों तथा सामाजिक संगठनों को इसके बारे में अवगत करा रहे हैं। महादेव घाट रायपुर की छठ महापर्व आयोजन समिति का यह प्रयास न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक समर्पण का प्रतीक है, बल्कि लोकतांत्रिक जागरूकता को भी बढ़ावा देता है।

जय स्तंभ चौक में तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार को मारी टक्कर, हालत नाजुक

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के बीचों-बीच स्थित जय स्तंभ चौक में एक दर्दनाक हिट एंड रन की घटना सामने आई है। यहां एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार काफी तेज गति में थी और चालक लापरवाही से वाहन चला रहा था। इसी दौरान स्कूटी सवार उसकी चपेट में आ गया। दुर्घटना के बाद घायल युवक को तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही गोलबाजार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने मौके से कार को जब्त कर लिया है। फिलहाल पुलिस चालक की पहचान करने में जुटी हुई है और मामले की जांच जारी है। यह हादसा शहर में बढ़ते रोड सेफ्टी के प्रति लापरवाह रवैये और तेज रफ्तार ड्राइविंग पर सवाल खड़े कर रहा है।

हम हाफबिजली से मुफ्त बिजली की ओर छत्तीसगढ़ के लोगों को ले जा रहे हैं - मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा की प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना लोगों के लिए काफी फायदेमंद साबित होने वाला है, हम छत्तीसगढ़ के लोगों को हाफबिजली से मुफ्त बिजली की ओर ले जा रहे हैं। मुख्यमंत्री साय ने आगे कहा कि केंद्र सरकार कि सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत हितग्राहियों को 1 किलो व्हाट बिजली के लिए तीस हजार कि सब्सिडी प्रदान की जा रही है वहीं राज्य सरकार ने भी 15 हजार की सब्सिडी देने का प्रावधान रखा है, इस तरह कुल लागत का 75% राशि सब्सिडी के रूप में दीया जा रहा है। इसके आलावा बैंक से लोन भी इस योजना के लिए प्रदाय किया जायेगा। जो की कुछ समय में ही फ्री हो जायगा और हितग्राही को बिजली मुफ्त मिलने लग जायेगी। यदि कोई ज्यादा पॉवर के प्लांट लगाता है तो वह अपनी आवश्यकता अनुसार उपयोग करने के बाद शेष बिजली किसी और को भी बेच सकता है। यह योजना आने वाले समय में प्रदेश वासियों को काफी राहत देगा और मुफ्त में बिजली पाने का सुनहरा अवसर भी प्रदान करेगा।

लाखों के जेवरात चोरी करने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार

रायपुर। थाना डी.डी.नगर पुलिस ने लाखों रूपये कीमती सोने-चांदी के जेवरात चोरी करने वाले शातिर चोर भावेश जगत और उसके साथी अमन यादव को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लगभग 10 लाख रुपये कीमती 10 तोला सोना और आधा किलो चांदी के जेवरात जब्त किए हैं। प्रकरण की शुरुआत तब हुई जब प्रार्थीया तारिणी वर्मा अपने घर में ताला लगाकर माता के पास ग्राम मोहदी गई हुई थीं। 28 अगस्त को लौटने पर उन्होंने देखा कि घर का ताला टूटा हुआ है और अलमारी व दीवान से सोने-चांदी के जेवरात तथा नगदी रकम चोरी हो चुके हैं। इस पर थाना डी.डी.नगर में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गइ। पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर एण्टी क्राइम एंड साइबर यूनिट और डी.डी.नगर पुलिस की संयुक्त टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी विश्लेषण और मुखबिरों की मदद से आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुराने मामलों में जेल जा चुका आरोपी भावेश जगत संदेह के दायरे में आया। पूछताछ में उसने अपने साथी अमन यादव के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद उनके पास से चोरी के जेवरात और नगदी रकम जब्त कर ली गई। गिरफ्तार आरोपियों में भावेश जगत (19 वर्ष) कृष्णा नगर, डीडी नगर और अमन यादव (22 वर्ष) कृष्णा नगर, डंगनिया, रायपुर निवासी हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्री का सरगुजा संभाग प्रवास

महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण सरकार की पहली प्राथमिकता

- कोरिया जिले में विभिन्न संस्थाओं का किया औचक निरीक्षण, दिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सरगुजा संभाग के दौरे पर कोरिया जिले के बैकुंठपुर में संचालित विभिन्न संस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महिला सुरक्षा, नशा मुक्ति, वरिष्ठजन कल्याण और विशेष बच्चों की देखभाल एवं शिक्षा के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सबसे पहले मंत्री श्रीमती राजवाड़े सखी वन स्टॉप सेंटर पहुँचीं। यहाँ उन्होंने महिलाओं के लिए उपलब्ध परामर्श, कानूनी सहायता, अस्थायी आश्रय एवं चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार से अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को और अधिक संवेदनशीलता व तत्परता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। लाभान्वित महिलाओं से चर्चा करते हुए मंत्री ने उनकी समस्याओं व अनुभवों को सुना और महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया। यहाँ संचालित गतिविधियों, उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं और पुनर्वास की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र संचालकों को नशा मुक्ति की दिशा में और अधिक प्रभावी ढंग से काम करने के सुझाव दिए और कहा कि स्वस्थ व नशामुक्त समाज निर्माण में ऐसे केंद्रों की भूमिका अहम है। अपने प्रवास के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े वृद्धाश्रम भी पहुँचीं। यहाँ निवासरत वरिष्ठजनों से आत्मीय भेंटवार्ता कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने उनके स्वास्थ्य, देखभाल एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी ली और कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज की धरोहर हैं, जिनका सम्मान और स्नेहपूर्वक देखभाल

करना सभी की जिम्मेदारी है। मंत्री ने आश्रम प्रबंधन को गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। इसके पश्चात उन्होंने शासकीय बौद्धिक मंदता बालक विशेष आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान विशेष बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, खेलकूद और अन्य गतिविधियों का विस्तार से अवलोकन किया। संस्था के शिक्षकों व स्टाफ से चर्चा कर मंत्री ने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विशेष बच्चों के समग्र विकास हेतु राज्य सरकार सतत प्रयासरत है और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना हमारी जिम्मेदारी है। अपने दौरे के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने ग्राम कटगोड़ी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों को दिए जा रहे पोषण आहार, प्रारंभिक शिक्षा और खेलकूद गतिविधियों की जानकारी ली। साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका से मातृ-शिशु पोषण योजनाओं के क्रियान्वयन, बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण और केंद्र की नियमित कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार महिला सुरक्षा, नशा मुक्ति, वरिष्ठजनों के सम्मान और विशेष बच्चों के विकास के लिए निरंतर संकल्पित है। कोरिया प्रवास के दौरान किया गया यह निरीक्षण उसी दिशा में उठाया गया ठोस कदम है, जहाँ शासन की जनहितकारी योजनाओं का लाभ बच्चों-महिलाओं-माताओं को जमीनी स्तर तक सुनिश्चित हो सके।

अवैध रूप से शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। संवाददाता

थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत नेहरू नगर स्थित प्रकाश किराना स्टोर्स के पास अवैध रूप से शराब के साथ पकड़ा गया आरोपी को रंगे हाथ। आरोपी के कब्जे से अवैध रूप से रखें कुल 110 पौवा अंग्रेजी शराब किया गया है जप्त। आरोपी के विरूद्ध थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 194/25 धारा 34(2) आबकारी एक्ट का अपराध किया गया पंजीबद्ध। एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना कोतवाली पुलिस की संयुक्त कार्यवाही। विवरण- पुलिस महानिरीक्षक श्री अमरेश मिश्रा, रायपुर रेंज रायपुर तथा उमनि एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा शासन के मंशानुसार समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों सहित प्रभारी एण्टी क्राईम एवं साईबर यूनिट को अन्य राज्यों से आने वाले शराब की तस्करी रोकने के साथ ही अवैध रूप से शराब की खरीदी-बिक्री करने वाले लोगों के संबंध में पतासाजी कर कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। जिसके तारतम्य में रायपुर पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं प्रभारी ए.सी.सी.यू. सहित थाना प्रभारियों द्वारा इस संबंध में सूचना संकलन कर मुखबीर लगाने के साथ ही अन्य माध्यमों से भी जानकारी एकत्रित किए जा रहे है। इसी क्रम में दिनांक 14.09.2025 को एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत नेहरू नगर स्थित प्रकाश किराना स्टोर्स के पास एक व्यक्ति अपने पास शराब रखा है तथा बिक्री करने की फिराक में है। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर श्री लखन पटले, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राईम श्री संदीप मित्तल, उप पुलिस अधीक्षक क्राईम श्री संजय सिंह एवं नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली श्री केशरी नंदन नायक द्वारा प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना प्रभारी कोतवाली को सूचना की तस्दीक कर आरोपी को शराब के साथ रंगे हाथ पकड़ने हेतु निर्देशित किया गया।

महादेवघाट के विसर्जन कुण्ड की सफाई प्रारंभ करवाई

रायपुर। राजधानी शहर रायपुर में दस दिवसीय श्रीगणेश उत्सव और श्रीगणेश मूर्ति विसर्जन श्रद्धालुओं द्वारा किये जाने के पश्चात महादेवघाट के समीप विसर्जन कुण्ड की सफाई पोकलेन और जेसीबी मशीन की सहायता से प्रारम्भ करवा दी गयी है। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम स्वास्थ्य विभाग जोन क्रमांक 8 द्वारा जोन क्षेत्र के अंतर्गत माधव राव सप्रे वार्ड क्रमांक 69 क्षेत्र अंतर्गत महादेवघाट के समीप विसर्जन कुण्ड की सफाई पोकलेन और जेसीबी मशीन लगाकर करवाई जा रही है। सफाई अभियान की मॉनिटरिंग जोन 8 जोन अध्यक्ष श्री प्रीतम सिंह ठाकुर।

अभी तक केदार कश्यप पर कोई कार्यवाही क्यो नही हुई

भाजपा गाली बाज मंत्री को संरक्षण दे रही-सुरेन्द्र वर्मा...

रायपुर।संवाददाता

बस्तर रेस्ट हाउस मामले में गालीबाज हिंसक मंत्री को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि सत्ता के अहंकार में मंत्री चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी से गाली गलौज और मारपीट कर रहे हैं, पूरे प्रदेश में विरोध प्रदर्शन के बावजूद अब तक दोषी मंत्री पर न तो सरकार ने कोई कार्यवाही की है, न ही मर्यादा और राजनैतिक सुचिता का दंभ भरने वाली तथाकथित संस्कारी पार्टी भाजपा ने। अपनी मां को गाली देने का झूठा आरोप लगाकर घड़ियाली आंसू बहाने वाले मोदी, मंत्री केदार कश्यप के

आचरण पर मौन क्यों हैं? क्या उस चतुर्थ वर्ग के कर्मचारी की मां, मां नहीं है? प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा है कि भाजपा नेताओं के बर्ताव से यह प्रमाणित है कि ये वोट चोरी करके जीत हासिल किए हैं, और इसीलिए इनको न जनता की परवा है, न ही अपने अधीनस्थ कर्मचारियों की। जो रेस्ट हाउस में इनकी तीमारदारी में लगा था, भोजन का इंतजाम कर रहा था, उसे ही जूतों से पीटना कहां की नैतिकता है? पीड़ित को ही प्रताड़ित करके मंत्री अपने मानसिक दिव्यांगता को प्रदर्शित कर रहे हैं। सरकार और भाजपा संगठन ऐसे बदजुबान और बेलगाम मंत्री पर तत्काल कार्यवाही करे, मंत्रिमंडल से बर्खास्त करे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि यह पहली घटना नहीं है पहले भी केदार कश्यप की गुंडागर्दी जारी रही है। ऐसे ही सांसद भोजराज नाग, भैयालाल रजवाड़े, रेणुका सिंह जैसे भाजपा के गालीबाज नवरत्नों के अनेकों वीडियो सोशल मीडिया पर मौजूद हैं।

हिन्दी दिवस पर हिन्दी की बदलती दुनिया पर टाउनहाल में हुई संगोष्ठी

- पुस्तक विमोचन, हिन्दी समाचार वाचकों का हुआ सम्मान, आयोजन में पहुँचे रायपुर नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप

रायपुर। संवाददाता

हिंदी दिवस पर हिंदी विशेषज्ञों ने कहा कि हिंदी अब तकनीक की भाषा बन चुकी है और दुनिया के साथ हिंदी भी बदल रही है इस अवसर पर डॉ गोपाल कमल की पुस्तक न्यूरोलिंग्वस्टिक्स, डॉ सुधीर शर्मा की पुस्तक लार्ज लैंग्वेज माडल और त्र्यंबकराव साटकर की पुस्तक यथार्थ जीवन का विमोचन हुआ। आज हिन्दी दिवस के अवसर पर रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह की पहल पर राजधानी शहर रायपुर के ऐतिहासिक टाउनहाल में प्रोजेक्ट संस्कृति अंतर्गत आयोजन का सिलसिला प्रारम्भ हो गया है। रायपुर जिला कलेक्टर ने प्रोजेक्ट संस्कृति हेतु रायपुर नगर पालिक निगम की उपायुक्त डॉक्टर अंजलि शर्मा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। अब रायपुर जिला प्रशासन के प्रोजेक्ट संस्कृति अंतर्गत राजधानी शहर की ऐतिहासिक सांस्कृतिक विरासत को संरक्षण देकर उन्हें समृद्ध बनाने विविध सांस्कृतिक आयोजन नियमित रूप से किये जायेंगे। इस क्रम में प्रोजेक्ट संस्कृति अंतर्गत आज ऐतिहासिक टाउनहाल में पहला सांस्कृतिक आयोजन छत्तीसगढ़ साहित्य एवं संस्कृति संस्थान के तत्वावधान में रायपुर जिला प्रशासन के सहयोग से हिंदी उत्सव का आयोजन हिंदी दिवस पर किया गया, जिसमें रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप सम्मिलित हुए। ऐतिहासिक टाउनहॉल में आयोजित इस समारोह में हिंदी की बदलती दुनिया पर संगोष्ठी का आयोजन रखा गया, पुस्तक का विमोचन और हिंदी समाचार वाचकों का सम्मान किया गया। मुख्य वक्ता दिल्ली के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ गोपाल कमल ने हिन्दी की बदलती दुनिया पर अपने ओजस्वी विचारों से सभी उपस्थितजनों को मन्त्रमुग्ध कर दिया। रायपुर नगर पालिक निगम आयुक्त श्री विश्वदीप ने हिन्दी के बदलते स्वरुप को आर्टिफिशल इंटेलीजेंस से जोड़ते हुए अत्यंत मनोहारी व्याख्यान दिया।

न्यूड पार्टी विवाद पर रायपुर में सियासी हलचल तेज हुई

रायपुर। राजधानी रायपुर में 'न्यूड पार्टी' के कथित आयोजन को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इस घटना पर आम लोगों की नाराजगी को देखते हुए, रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात कर देर रात चलने वाली क्लब पार्टियों पर लगाम लगाने की मांग की बात कही है। मीडिया से बात करते हुए विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा कि इस तरह के आयोजन 'महापाप' हैं और इससे समाज का भविष्य खतरे में पड़ सकता है। उन्होंने आयोजकों से अपील की कि वे ऐसे कार्यक्रम बंद करें, जो हमारी संस्कृति और संस्कारों को नष्ट कर रहे हैं। वहीं, नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत द्वारा बिजली बिल में बढ़ोतरी को लेकर उठाए गए सवाल पर पुरंदर मिश्रा ने कांग्रेस पर लोगों को भड़काने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पीएम सूर्य घर योजना लागू होगी, जिससे लोगों को मुफ्त बिजली मिलेगी। उन्होंने विश्वास दिलाया कि सरकार की योजना अगले 25 सालों तक जनता को मुफ्त बिजली देने की है, और किसी का नुकसान नहीं होगा। इसके अलावा, आज होने वाले भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच पर उन्होंने भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि वे पाकिस्तान को करारी शिकस्त दें, जैसा कि हमारे सैनिकों ने पुलवामा हमले के बाद किया था।

पीएम सूर्यघर योजना से आत्मनिर्भर बनीं सोनकुंवर बिजली बिल हुआ शून्य

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जिले के उपभोक्ताओं के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से घर-घर सौर ऊर्जा से रोशनी पहुँच रही है तथा उपभोक्ता बिजली के मामले में आत्मनिर्भर बन रहे हैं। मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले स्थित मेरेगांव की निवासी श्रीमती सोनकुंवर ध्रुव ने योजना का लाभ उठाते हुए अपने मकान की छत पर पाँच किलोवाट क्षमता का रूफ टॉप सोलर पैनल स्थापित किया है। सौर ऊर्जा से हो रहे उत्पादन से उनका पूरा घर रोशन हो रहा है। इससे उन्हें हर महीने आने वाले भारी-भरकम बिजली बिल से राहत मिली है और अब उनका बिजली बिल शून्य हो गया है। श्रीमती ध्रुव ने बताया कि उनके बड़े संयुक्त परिवार में बिजली की खपत अधिक थी, जिसके कारण हर माह बिजली बिल की राशि भी ज्यादा आती थी। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की जानकारी मिलने पर उन्होंने तुरंत सोलर पैनल लगवाने का निर्णय लिया। लगभग 2 लाख 97 हजार रुपए की लागत वाले इस संयंत्र पर केंद्र सरकार की ओर से उन्हें 78 हजार रुपए की सब्सिडी प्राप्त हुई। अब वह न केवल अपने घर की आवश्यकता पूरी कर रही हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली का उत्पादन कर सप्लाई भी कर रही हैं। श्रीमती ध्रुव ने बताया कि इस योजना से उन्हें न सिर्फ आर्थिक बचत हो रही है बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देने का अवसर मिला है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अन्य उपभोक्ताओं से भी अपील की कि वे योजना का लाभ लेकर बिजली के लिए आत्मनिर्भर बनें। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत शहरी एवं ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं को अपने घरों की छत पर सोलर प्लांट स्थापित करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस योजना के तहत प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान की जा रही है। साथ ही, उपभोक्ताओं को 30 हजार रुपए से 78 हजार रुपए तक की सब्सिडी भी उपलब्ध कराई जा रही है। इस अभिनव पहल से न केवल बिजली बिलों में कमी आ रही है, बल्कि उपभोक्ता बिजली उत्पादन कर आत्मनिर्भर बन रहे हैं और नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण एवं रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका

मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में राज्य सैनिक बोर्ड की बैठक में हुआ निर्णय

युद्ध तथा सैनिक कार्यवाही में शहीद सैनिकों के आश्रितों को मिलेगी 50 लाख की अनुग्रह राशि

- परमवीर चक्र प्राप्त वीर जवानों को मिलेगी 1 करोड़ की अनुग्रह राशि
- हमारे सैनिक देश की सुरक्षा के लिए न्यौछावर करते हैं अपना जीवन

रायपुर/ संवाददाता

युद्ध तथा सैनिक कार्यवाही में शहीद सैनिकों की पत्नी अथवा उनके आश्रितों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि में वृद्धि करते हुए इसे 20 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। इसके साथ ही युद्ध तथा सैनिक कार्यवाही में विभिन्न वीरता अलंकरण प्राप्त जवानों को दी जाने

वाली राशि में भी वृद्धि की गई है। अब परमवीर चक्र प्राप्त वीर जवानों को 40 लाख रुपये की जगह 1 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। यह महत्वपूर्ण निर्णय आज मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में सम्पन्न राज्य सैनिक बोर्ड की बैठक में लिया गया। आज मंत्रालय महानदी भवन में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में सैनिक कल्याण विभाग की 6वीं राज्य सैनिक समिति की बैठक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे सैनिक देश की सुरक्षा के लिए अपना जीवन न्यौछावर करते हैं। हम उनके शौर्य और बलिदान को नमन करते हैं। सरकार भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। बैठक में शहीदों की वीर नारियों, भूतपूर्व सैनिकों, विधवाओं एवं उनके आश्रितों के लिए राज्य द्वारा संचालित कई कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री श्री साय ने समिति की छठवीं बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 140 करोड़ देशवासियों की सुरक्षा में हमारे वीर जवान दिन-रात तत्पर रहते हैं। भारत माँ की सेवा में अपना जीवन अर्पित करने वाले इन वीर सपूतों का कल्याण करना सबका दायित्व और कर्तव्य है। आज की बैठक में भूतपूर्व सैनिकों, विधवाओं और उनके परिजनों के हित में सार्थक चर्चा हुई है।

संपादकीय

जीत संग जिम्मेदारी

उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन की जीत अप्रत्याशित नहीं है। संख्या बल शुरू से उनके साथ था। इंडिया. ब्लॉक सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज बी. सुदर्शन रेड्डी को चुनाव मैदान में उतारकर एक मेसेज देना चाहता था और इसमें वह काफी हद तक सफल रहा। वैसे भी उपराष्ट्रपति चुनाव को केवल वोटों के गणित और सियासी समीकरणों से नहीं तौला जा सकता। असली चुनौती यहां से शुरू होती है। इस चुनाव की नौबत इसलिए आई क्योंकि सत्र के बीच में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पद से इस्तीफा दे दिया। देश के सामने ऐसे स्थिति कभी नहीं आई थी कि संसद का सत्र चल रहा हो और उपराष्ट्रपति अचानक पद छोड़ दें। उनका जाना कई सवाल खड़े कर गया। सीपी राधाकृष्णन को इस अतीत से आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभानी है। वह ऐसे वक्त में यह पद संभालने जा रहे हैं, जब सरकार और विपक्ष के बीच असहमति की दीवार बहुत ऊंची हो चुकी है। इसका असर इस इलेक्शन में भी दिखा। दोनों तरफ से तल्खियां साफ नजर आईं और आरोप-प्रत्यारोप वैसे ही लगे, जैसे कि दूसरे चुनावों में लगते हैं। लेकिन, यह अब बीती बात है। कौन साथ रहा और कौन खिलाफ, यह भूलकर नए उपराष्ट्रपति से उम्मीद होगी संतुलन और निरपेक्षता की। उन्हें दोनों पक्षों को साथ लेकर चलना होगा। सीपी राधाकृष्णन के सामने एक और बड़ी चुनौती है - खुद को अराजनीतिक दिखाना। देश में उपराष्ट्रपति का पद राजनीतिक नहीं होता, लेकिन हाल-फिलहाल में इससे कई राजनीतिक विवाद जुड़ चुके हैं। धनखड़ के साथ विपक्ष की यह शिकायत आम रही कि वह उनको मौके नहीं देते। ऐसे में लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं की कसौटी पर सीपी राधाकृष्णन को भी परखा जाएगा। उपराष्ट्रपति राज्यसभा के पदेन सभापति होते हैं और इस नाते सीपी राधाकृष्णन के सामने यह कठिन कार्य है कि वह कैसे उच्च सदन को उसकी गरिमा वापस दिलाते हैं। दुर्भाग्य से राज्यसभा से अब सार्थक बहसों से अधिक हंगामे और शोर-शराबे की खबरें आती हैं। इस मॉनसून सत्र में ही राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी केवल 38.8 प्रतिशत रही। ज्यादातर वक्त सदन बाधित रहा और कई अहम मुद्दों पर बहस अधूरी रह गई। उच्च सदन को ज्यादा विचारवान माना जाता रहा है। उसकी यह खोई छवि कैसे लौटती है, नए उपराष्ट्रति पर निर्भर करता है।

आत्महत्या जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी है, यह मनुष्य होने के अर्थ और गरिमा को धूमिल करती है। जब जीवन जीने का साहस कमज़ोर पड़ता है तो व्यक्ति निराशा और अंधकार में डूबकर स्वयं को समाप्त करने की ओर बढ़ता है। दुनिया में आत्महत्या आज एक गहरी एवं विडम्बनापूर्ण वैश्विक चुनौती बन चुकी है। हर साल लाखों लोग अपनी ही जिंदगी से हार मान लेते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल लगभग 7.2 लाख लोग आत्महत्या करते हैं। यह सिर्फ व्यक्तिगत त्रासदी नहीं बल्कि सामाजिक, भावनात्मक और आर्थिक संकट भी है। 15 से 29 वर्ष की आयु वर्ग में मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण आत्महत्या है। यही वजह है कि हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। 2024 से 2026 तक इसकी थीम 'चेंजिंग द नैरेटिव ऑन सुसाइड' रखी गई है, जिसका उद्देश्य है आत्महत्या पर खामोशी तोड़कर इसे एक निष्क्रिय विषय से संवाद और सहयोग का सक्रिय विषय बनाना। आत्महत्या पर दृष्टिकोण का यह बदलाव आत्महत्या के बारे में लोगों की सोच और बातचीत के तरीके को चुनौती देता है, खुले और ईमानदार संवाद को बढ़ावा देता है जो कलंक को तोड़ता है और समझ को बढ़ावा देता है। आत्महत्या के अलावा जीवन में और भी बेहतर विकल्प है। इसके अलावा एक ऐसी समाज-व्यवस्था को बढ़ावा देना है जहां लोग मदद लेने में हिचकिचाए नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सहयोग के लिये आगे आये।

निराशा से आशा की ओर आत्महत्या के खिलाफ जंग

(ललित गर्ग)

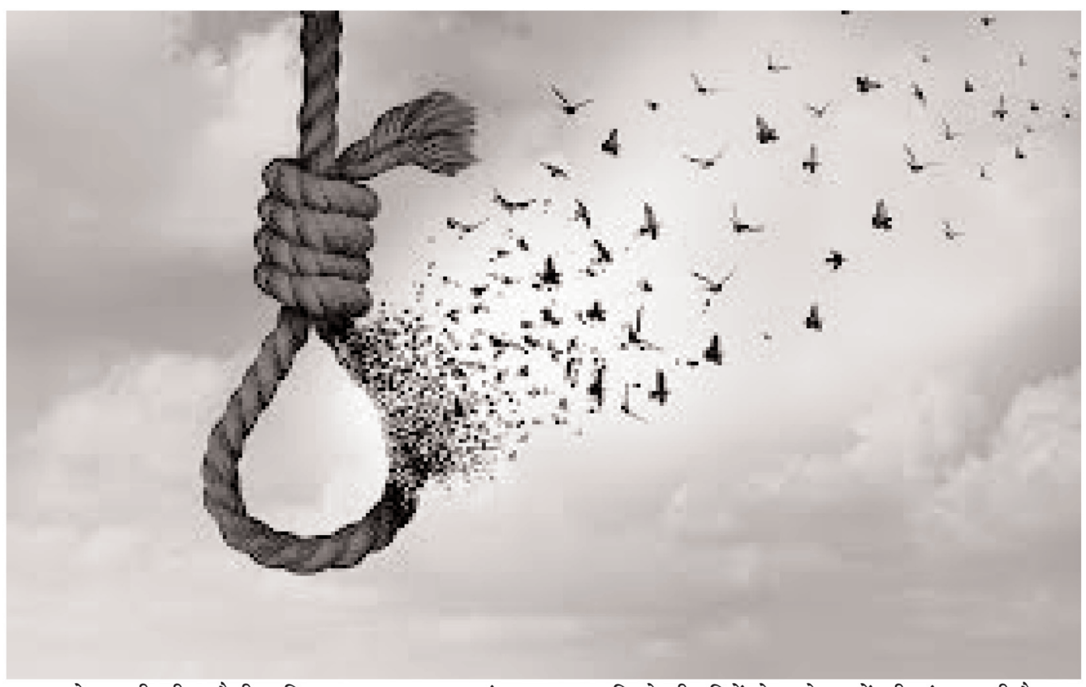

निश्चित रूप से खुदकुशी सबसे तकलीफदेह हालात के सामने हार जाने का नतीजा होती है और ऐसा फैसला करने वालों के भीतर वंचना का अहसास, उससे उपजे तनाव, दबाव और दुख का अंदाजा लगा पाना दूसरों के लिए मुमकिन नहीं है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है।

आत्महत्या जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी है, यह मनुष्य होने के अर्थ और गरिमा को धूमिल करती है। जब जीवन जीने का साहस कमज़ोर पड़ता है तो व्यक्ति निराशा और अंधकार में डूबकर स्वयं को समाप्त करने की ओर बढ़ता है। वैश्विक स्तर पर यह एक गंभीर समस्या है, दुनिया भर से आते नए आंकड़े इस चुनौती की गंभीरता को और उजागर करते हैं। 2021 में अनुमानित 7.27 लाख आत्महत्याएं हुईं और विश्व में हर 43 सेकेंड में कोई एक व्यक्ति खुदकुशी कर रहा है। 73 प्रतिशत आत्महत्याएं निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में होती हैं और सबसे अधिक असर युवा और गृहिणियों पर पड़ता है। भारत में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2021 की रिपोर्ट बताती है कि आत्महत्या करने वाली महिलाओं में 51.5 प्रतिशत गृहिणियां थीं। आत्महत्या की दर दो दशकों में 7.9 से बढ़कर 10.3 प्रति एक लाख हो गई है। उत्तराखंड जैसे राज्यों में पारिवारिक कलह आत्महत्या का बड़ा कारण है। युवा वर्ग की महत्वाकांक्षा क्षमता से अधिक हो चुकी है, पारिवारिक सामंजस्य खत्म हो गया है, असफलता का डर और तनाव सहने की क्षमता कम हो गई है। यही कारण है कि पढ़ाई के दबाव, नौकरी में असफलता, रिश्तों के टूटने और आर्थिक अभाव से युवा और किशोर आत्महत्या की ओर धकेले जा रहे हैं।

भारत में स्थिति और भी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में भारत में 1,70,924 आत्महत्याएं दर्ज की गईं, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है और आत्महत्या दर 12.4 प्रति लाख जनसंख्या रही। यह दर पिछले वर्षों की तुलना में सर्वाधिक है। इनमें 18 से 45 वर्ष की आयु के लोगों की संख्या दो-तिहाई से अधिक है, जो दर्शाता है कि देश का युवा और कार्यशील वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित है। राज्यवार आंकड़े भी चिंताजनक हैं-सिक्किम में आत्महत्या दर लगभग 43 प्रति लाख रही जबकि बिहार में यह 1 से भी कम है। आत्महत्या के पीछे अनेक सामाजिक, आर्थिक और मानसिक कारण जुड़े हुए हैं। बेरोज़गारी, गरीबी, पारिवारिक कलह, असफल प्रेम, नशे की लत और बीमारियां इसका बड़ा कारण बन रही हैं। मानसिक रोग और अवसाद ने इस समस्या को और गहरा किया है। एनसीआरबी के अनुसार 2018 से 2022 के बीच मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कारणों से आत्महत्या के मामलों में 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2022 के आँकड़े बताते हैं कि आत्महत्या के प्रमुख कारणों में 33 प्रतिशत मामले पारिवारिक समस्याओं से जुड़े थे, लगभग 19 प्रतिशत मामले बीमारियों के कारण हुए, जबकि 6-7 प्रतिशत मामले विवाह सम्बन्धी समस्याओं और 6 प्रतिशत मामले ऋण और कर्ज़ से संबंधित थे। छात्र आत्महत्या का आंकड़ा भी बड़ा चिंताजनक है-2022 में यह कुल आत्महत्याओं का 7.6 प्रतिशत रहा। वैश्विक स्तर पर भी स्थिति गंभीर है, परंतु भारत में यह और ज्यादा जटिल इसलिए है क्योंकि यहां सामाजिक प्रतिस्पर्धा, उपभोक्तावादी जीवनशैली, परिवार का टूटता हुआ ढांचा और आर्थिक असमानता आत्महत्या की प्रवृत्ति को तेज़ कर रही है। आत्महत्या केवल एक जीवन का अंत नहीं है, बल्कि यह एक पूरे परिवार और समाज की आशाओं का विघटन है।

इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए केवल व्यक्तिगत प्रयास पर्याप्त नहीं हैं बल्कि समाज और सरकार दोनों को संयुक्त रूप से कार्य करना होगा। भारत सरकार ने 2017 में मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम पारित करके आत्महत्या प्रयास को अपराध की श्रेणी से बाहर किया और 2020 में 'किरण' नामक राष्ट्रीय हेल्पलाइन शुरू की जो 13 भाषाओं में चौबीसों घंटे सहायता उपलब्ध कराती है। 2022 में राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति बनाई गई जिसका लक्ष्य 2030 तक आत्महत्या दर में 10 प्रतिशत की कमी लाना है। इसमें मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, परामर्श केंद्रों की स्थापना, रोजगार सृजन, परिवारिक संवाद को मजबूत करना, मीडिया की संवेदनशीलता और सामाजिक सहयोग जैसे उपायों पर जोर दिया गया है। साथ ही स्वयंसेवी संस्थाओं और हेल्पलाइन सेवाओं-जैसे आसरा, वंद्रेवाला, समैरिटन्स मुंबई-की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। आत्महत्या को रोकने का सबसे बड़ा उपाय यही है कि व्यक्ति को निराशा के अंधकार में छोड़ने के बजाय उसके जीवन में आशा, साहस और सहयोग का संचार किया जाए क्योंकि कठिनाइयों का समाधान आत्महत्या में नहीं बल्कि संघर्ष, विश्वास और सहारा देने वाले समाज में है।

दुनिया का यह दुखद सच यह भी है कि चिकित्सा विज्ञान की प्रगति से बीमारियों से मरने वालों की संख्या घटी है पर आत्महत्या के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ी है। भौतिकवादी जीवनशैली, प्रतिस्पर्धा, अवसाद और असंतुलन ने मनुष्य को भीतर से खोखला बना दिया है। प्रसिद्ध कलाकार, जिनका सार्वजनिक जीवन में हंसता खेलता चेहरा दिखाई देता है, कभी अचानक आत्महत्या कर लेते हैं क्योंकि भीतर का अकेलापन और दबाव उन्हें जीने नहीं देता। सवाल यह है कि जिनके पास साधन और सहयोग की कमी नहीं, वे भी क्यों जिंदगी के उतार-चढ़ाव को बर्दाश्त नहीं कर पाते। किसानों की आत्महत्या, आर्थिक तंगी, व्यापार में नुकसान, रिश्तों का टूटना, तलाक और अभाव की स्थिति आत्महत्या की सबसे बड़ी जड़ें हैं। समाज और परिवार का विघटन भी व्यक्ति को असहाय बना देता है।

आत्महत्या किसी भी सभ्य समाज के माथे पर कलंक है। टॉयनबी ने ठीक ही कहा है कि कोई भी संस्कृति हत्या से नहीं बल्कि आत्महत्या से मरती है। इस स्थिति को बदलना जरूरी है। सरकारों, संगठनों, समुदायों और परिवारों की जिम्मेदारी है कि वे संवाद और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा दें। जब कोई व्यक्ति संकट में हो तो परिवार, दोस्त, पड़ोसी और सहकर्मी उसे अकेला न छोड़ें बल्कि उसका हाथ थामें। हमें एक ऐसी सामाजिक संरचना बनानी होगी जहां मदद मांगना कमजोरी नहीं बल्कि साहस माना जाए। जहां तनाव और अवसाद को गंभीरता से समझा जाए और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता मिले। जहां बच्चों को बचपन से ही संघर्षों से लड़ने की शिक्षा दी जाए और असफलताओं को जीवन का हिस्सा समझने का दृष्टिकोण

जीवन की रक्षा में संवाद ही सबसे बड़ा हथियार

(योगेश कुमार गोयल)

प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2025 की थीम है 'आत्महत्या पर कहानी बदलना'। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन' (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है।

प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2025 की थीम है 'आत्महत्या पर कहानी बदलना'। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है।

हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी अपनी रिपोर्ट में बताया था कि वर्ष 2022 में भारत में कुल 170924 लोगों ने आत्महत्याएं की जबकि 2021 में भारत में 164033 लोगों ने आत्महत्या की थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं।

जब कोई व्यक्ति ज्यादा बुरी मानसिक स्थिति से गुजरता है तो एकाएक अवसाद में चला जाता है और इसी अवसाद के कारण ऐसे कुछ लोग आत्महत्या कर लेते हैं, जिसका उनके परिवार के साथ-साथ समाज पर भी बहुत नकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद और तनाव के कारण ही लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है और जब व्यक्ति को परेशानियों से बाहर निकलने का कोई मार्ग नजर आता, ऐसे में वह आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठता है। हालांकि जिन लोगों का मनोबल मजबूत होता है, वे प्रायः विकट परिस्थितियों से उबर भी जाते हैं लेकिन अवसाद के शिकार कुछ लोग विषम परिस्थितियों से लड़ने के बजाय हालात के समक्ष घुटने टेक स्वयं को मौत के हवाले कर देते हैं। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या करना काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या करने के पीछे अधिकांशतः अवसाद को ही जिम्मेदार ठराया जाता है, जो ऐसे करीब 90 फीसदी मामलों का प्रमुख कारण भी है लेकिन सभी आत्महत्याओं के लिए अवसाद को ही पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक आत्महत्या करने का विचार किसी इंसान के अंदर तब पनपता है, जब वह किसी मुश्किल से बाहर नहीं निकल पाता।

मनुष्य जीवन को संसार में सबसे अनमोल माना गया है क्योंकि हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। बहरहाल, यदि कभी जरूरत से ज्यादा तनाव अथवा किसी मानसिक बीमारी का अहसास हो तो तुरंत किसी मनोचिकित्सक से मिलकर अपनी परेशानियों के बारे में खुलकर बात करें। केन्द्र सरकार द्वारा अगस्त 2020 में एक मेंटल हैल्थ रिहैबिलिटेशन हेल्पलाइन (किरण हेल्पलाइन) नंबर भी जारी किया गया था, जिस पर कॉल करके ऐसी स्थिति में मदद या काउंसलिंग की मांग की जा सकती है। इसके अलावा भी कई सुसाइड हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग आत्महत्या की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए किया जा सकता है। लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता फैलाकर भी आत्महत्या जैसे मामलों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। किसी भी व्यक्ति के मन में आत्महत्या का विचार आए ही नहीं, ऐसा वातावरण तैयार करना परिवार के साथ-साथ समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है।(लेखक 35 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा कई पुस्तकों के लेखक हैं)

रुस-यूक्रेन जंग ने भर दी अमेरिकी रक्षा कंपनियों की झोली

ओआरएफ रिपोर्ट ने ट्रंप की पोल खोली

नतीजा यह है कि लॉकहीड मार्टिन, बोइंग, नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन जैसी अमेरिकी कंपनियां युद्ध के हर दिन मुनाफ़े की नई ऊंचाई छू रही हैं। नाटो देशों को भी अपने रक्षा बजट बढ़ाने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जिससे अमेरिकी हथियार उद्योग के लिए और बड़े अवसर पैदा हो रहे हैं। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है। हजारों जानें जा चुकी हैं, लाखों लोग शरणार्थी बन गए हैं और यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था गहरे संकट में है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में यह संघर्ष अभी भी किसी निर्णायक जीत या हार की ओर नहीं बढ़ पाया है।

(नीरज कुमार दुबे)

लेकिन अगर इस युद्ध के बीच किसी ने सबसे ठोस और वास्तविक लाभ कमाया है, तो वह हैं अमेरिकी रक्षा कंपनियां। थिंक टैंक ऑब्ज़र्वर रिसर्च फ़ाउंडेशन (ओआरएफ) की रिपोर्ट बताती है कि 2022 से अब तक अमेरिका ने यूक्रेन को लगभग 66.9 अरब डॉलर की सैन्य सहायता दी है। शुरुआती दौर में यह पैकेज सीधे मदद के रूप में था, लेकिन 2024 से अमेरिकी नीति ने करवट ली और अब यह हथियारों की बिक्री में बदल चुका है। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने यूक्रेन को मिसाइलों, तोपों और हथियारों की आपूर्ति को 'बाज़ार' का रूप दे दिया है।

नतीजा यह है कि लॉकहीड मार्टिन, बोइंग, नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन जैसी अमेरिकी कंपनियां युद्ध के हर दिन मुनाफ़े की नई ऊंचाई छू रही हैं। नाटो देशों को भी अपने रक्षा बजट बढ़ाने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जिससे अमेरिकी हथियार उद्योग के लिए और बड़े अवसर पैदा हो रहे हैं। विडंबना यह है कि राजनीतिक स्तर पर अमेरिका भारत पर रूस से तेल खरीदने के लिए उंगली उठाता है, लेकिन असली खेल उसके अपने सैन्य-औद्योगिक कॉम्प्लेक्स के मुनाफ़े से जुड़ा है। युद्ध चाहे लंबा खिंचे या किसी मोड़ पर थमे, अमेरिकी रक्षा कंपनियों के कैश रजिस्टर लगातार बढ़ते रहेंगे। यानी, रूस-यूक्रेन युद्ध का निष्कर्ष यह है कि मैदान में भले ही अभी कोई स्पष्ट विजेता न दिखे, लेकिन आर्थिक मोर्चे पर असली जीत अमेरिकी रक्षा उद्योग की हो चुकी है। यही आज की सबसे कठोर और सबसे असहज सच्चाई है।

ऑब्ज़र्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, रूस-यूक्रेन युद्ध का वास्तविक लाभार्थी अमेरिका का सैन्य-औद्योगिक कॉम्प्लेक्स (मिलीट्री इंडस्ट्रीज काम्पेल है, जिसने इस युद्ध के चलते हथियारों के ऑर्डर, उत्पादन, मुनाफे और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़ी रक्षा प्रणालियों के करारों में 'विस्फोटक वृद्धि' दर्ज की है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 से 2024 के बीच, यूक्रेन की कुल हथियार खरीद का 45त्न हिस्सा अमेरिका से आया, जो इस अवधि में अमेरिका के कुल हथियार निर्यात का 9.3 प्रतिशत है। शुरुआती दौर में यह सहायता सीधे सैन्य पैकेज के रूप में थी, लेकिन 2024-25 से अमेरिका ने इसे हथियारों की बिक्री में बदलना शुरू किया। अगस्त 2025 में अमेरिका ने 825 मिलियन डॉलर मूल्य के 3,350 विस्तारित दूरी वाले आक्रमण मिसाइलों की बिक्री को मंजूरी दी। इसके बाद जुलाई में ट्रंप औरनाटो महासचिव मार्क रुट्टे की बैठक में यूरोपीय देशों और कनाडा को अमेरिका से 10 अरब डॉलर से अधिक के हथियार खरीदने पर राज़ी किया गया। यह बदलाव स्पष्ट करता है कि अमेरिका अब 'उदार सहायता' देने की बजाय यूक्रेन संकट को अपने हथियार बाजार के विस्तार का अवसर मान रहा है।

नाटो और रक्षा बजट-अमेरिकी दबाव या सुरक्षा अनिवार्यता? इसके अलावा, जून 2025 के नाटो सम्मेलन में सदस्य देशों ने घोषणा की थी

कि वे 2035 तक अपने वार्षिक रक्षा बजट को जीडीपी के 5 प्रतिशत तक बढ़ाएंगे। यह 2006 के 2 प्रतिशत लक्ष्य से लगभग 150 प्रतिशत की छलांग है। हम आपको बता दें कि वर्तमान में अमेरिका नाटो सहयोगियों की कुल हथियार खरीद का 64 प्रतिशत आपूर्ति करता है, जो 2015-19 में 52 प्रतिशत था। इस तरह वैश्विक हथियार निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 2014-19 के 35 प्रतिशत से बढ़कर 2020-24 में 43 प्रतिशत हो गई। स्पष्ट है कि यूक्रेन युद्ध अमेरिकी हथियार उद्योग के लिए 'कैश काउ' साबित हो रहा है।

इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के रक्षा औद्योगिक ढांचे में 100,000 से अधिक कंपनियां शामिल हैं। इनमें से पाँच दिग्गज– लॉकहीड मार्टिन, आरटीएक्स, जनरल डायनैमिक्स, नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन और बोइंग, पेंटागन के एक-तिहाई से अधिक ठेके हासिल करती हैं। केवल 2024 में फॉरेन मिलिट्री सेल्स के तहत हथियार सौदों का मूल्य 117.9 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो 2023 की तुलना में लगभग 46 प्रतिशत अधिक है। इसी अवधि में डायरेक्ट कमर्शियल सेल्स 157.5 अरब डॉलर से बढ़कर 200.8 अरब डॉलर हो गई। यानी, 'लगातार चल रहे संघर्ष' जैसे- इराक, अफगानिस्तान, यूक्रेन और चीन के बढ़ते खतरे ने अमेरिकी रक्षा ठेकेदारों के लिए लगातार मुनाफ़े का स्रोत उपलब्ध कराया है। दूसरी ओर, जहां अमेरिका के राजनीतिक वर्ग में भारत को रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस का सहायक बताकर निशाना बनाया जाता है, वहीं हकीकत यह है कि युद्ध की सबसे बड़ी आर्थिक कमाई अमेरिका के हथियार उद्योग को हो रही है। अमेरिका के भीतर भी ट्रंप और बाइडेन प्रशासन युद्ध की ज़िम्मेदारी को लेकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करते हैं, किंतु दोनों ही कार्यकालों में अमेरिकी हथियार कंपनियां लाभान्वित होती रही हैं। देखा जाये तो भारत को इस विमर्श को वैश्विक मंच पर चुनौती देने की आवश्यकता है, क्योंकि उसका तेल और ऊर्जा आयात तो संतुलनकारी रणनीति का हिस्सा है।

बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि रूस-यूक्रेन युद्ध न केवल यूरोप की सुरक्षा को पुनर्परिभाषित कर रहा है, बल्कि उसने अमेरिका के सैन्य-औद्योगिक कॉम्प्लेक्स को नए शिखर पर पहुंचा दिया है। देखना होगा कि आने वाले दिनों में यह सच्चाई कितने देशों की आंखें खोलती है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में कोण्डागांव का परचम 7 स्वर्ण समेत हासिल किया प्रथम रनर-अप का खिताब

कोण्डागांव। खेल प्रतिभा के मामले में कोण्डागांव के युवा लगातार अपनी पहचान बना रहे हैं। इसका ताजा उदाहरण बिलासपुर में 13 और 14 सितंबर को आयोजित 25वीं राज्य स्तरीय सब जूनियर एवं कैडेट जूडो प्रतियोगिता में देखने को मिला, जहां जिले के खिलाड़ियों ने जबरदस्त प्रदर्शन कर 7 स्वर्ण, 5 रजत और 3 कांस्य इस तरह कुल 15 पदक जीतकर प्रथम रनर-अप का खिताब अपने नाम किया। कोण्डागांव जिले के स्वर्ण पदक विजेता में गोमती नाग, लिलेश्वरी वडडे, ममता नेताम, योगिता मांडवी, विशिष्ठा राजपूत, हेमवती नाग और रंजीता करोटी शामिल है, इसी तरह रजत पदक विजेता वेदांत ठाकुर, राजवीर वरने, नवीन बर्मन, मोहित भास्कर और भूमिका शर्मा ने जीते। वहीं, कांस्य पदक ख्वाहिश रामटेके, लेखा नेताम और चंद्रप्रभा ठाकुर ने अपने नाम किया। यह उल्लेखनीय है कि कोण्डागांव जिला कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देश पर, आईटीबीपी के प्रशिक्षक उदय सिंह यादव के मार्गदर्शन में जिले के बच्चों को जूडो का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी प्रशिक्षण का नतीजा है कि कोण्डागांव अंचल के जूडो खिलाड़ी राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। इस उपलब्धि पर कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने कहा कि, कोण्डागांव के बच्चों ने यह साबित किया है कि यदि उन्हें उचित अवसर और सही प्रशिक्षण मिले, तो वे किसी भी स्तर पर जिले का नाम रोशन कर सकते हैं। खिलाड़ियों की मेहनत और प्रशिक्षक की लगन का ही परिणाम है कि जिले ने इतने पदक जीतकर प्रथम रनर-अप का स्थान हासिल किया है। प्रशासन आगे भी खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। खिलाड़ियों की सफलता से पूरे जिले में हर्ष का माहौल है। माता-पिता और प्रशिक्षकों की मेहनत रंग लाई है, वहीं ग्रामीण अंचलों से निकलकर राज्य स्तर तक पहुंचने वाले ये खिलाड़ी अब राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी जिले का नाम रौशन करने की क्षमता रखते हैं।

कोण्डागांव में अवैध रेत खनन पर संयुक्त कार्रवाई, तीन ट्रैक्टर जप्त

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समय-समय पर अवैध खनन पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, हाई कोर्ट ने भी राज्य के सभी जिलों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि बिना स्वीकृति और नियम विरुद्ध रेत का उत्खनन एवं परिवहन न हो। इसके बावजूद कोण्डागांव जिले में अवैध रेत खनन और परिवहन लगातार जारी है। इसी क्रम में कोण्डागांव कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देश पर 9 सितंबर को राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने अभियान छेड़ा। संयुक्त कार्रवाई के दौरान कोण्डागांव से जोंदरापदर मार्ग पर नारंगी नदी एनीकेट पुल के पास छापामार कार्यवाही की गई। यहां अर्जुन पटेल के स्वामित्व वाले दो ट्रैक्टर और पुनीत चौहान के स्वामित्व वाला एक ट्रैक्टर अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त पाए गए, जिन्हें मौके पर ही जब्त कर लिया गया। विभागीय अधिकारियों ने कहा कि शासन और न्यायालय के आदेशों का पालन कराते हुए अवैध खनन और परिवहन पर सख्त कदम लगातार जारी रहेंगे। इस कार्रवाई ने खनन माफियाओं को स्पष्ट संदेश दिया है कि नियम विरुद्ध गतिविधियों पर अब कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

कलेक्टर ने मांझी, गायता एवं चालकी के संग ली बैठक, बस्तर दशहरा में शामिल होने पर हुई चर्चा

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने जिलेभर से आए मांझी, गायता, चालकी एवं देव पुजारियों के संग जिला कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक की। बैठक में बस्तर दशहरा में जिले के मांझी, पुजारियों के प्रतिनिधित्व एवं उनके जाने की व्यवस्था पर चर्चा हुई। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि पूर्व वर्षों की भांति परंपरानुसार इस वर्ष भी बस्तर के ऐतिहासिक दशहरे में शामिल होने के लिये जिले के मांझी, गायता एवं चालकियों सहित उनके देव विग्रहों को लाने ले जाने के लिये समुचित व्यवस्था की जाएगी। साथ ही वहां उनके रुकने हेतु भी आवश्यक इंतजाम किया जाएगा। बैठक में जिले भर से आये सभी मांझी एवं पुजारियों ने भी अपने-अपने विचार रखे और आवश्यक सुझाव दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर चित्रकांत चार्ली ठाकुर सहित मांझी एवं चालकी उपस्थित रहे।

एसईसीएल मुख्यालय में हिंदी पखवाड़ा का शुभारंभ विविध प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

बिलासपुर। दक्षिण पूर्वी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) मुख्यालय में हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ राजभाषा पखवाड़ा उद्घाटन समारोह के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक हरीश दुहन ने की। इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास, निदेशक (वित्त) डी. सुनील कुमार और मुख्य सतर्कता अधिकारी हिमांशु जैन विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में विभिन्न विभागाध्यक्षों, अधिकारियों-कर्मचारियों और श्रम संघ प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

हिंदी हमारी एकता की पहचान : सीएमडी-समारोह को संबोधित करते हुए हरीश दुहन ने कहा कि हिंदी हमें एकसूत्र में पिरोने का कार्य करती है। यह सरल, सुगम, सुबोध, संपर्क व रोजगार की भाषा है। हिंदी की स्वीकार्यता पूरे देश में है और यह हमारी एकता और अखण्डता का प्रतीक है। उन्होंने सभी को उच्च स्तर से प्राप्त निर्देशों का अक्षरशः पालन करने का आह्वान किया। केंद्रीय मंत्रियों व कोल इंडिया चेयरमेन का संदेश- इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेडडी, केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे तथा कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमेन पीएम प्रसाद के संदेशों का पठन किया गया।प्रतियोगिताओं से सजेगा पखवाड़ा- 14 से 28 सितम्बर तक आयोजित होने वाले हिंदी पखवाड़े के दौरान मुख्यालय व संचालन क्षेत्रों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इनमें हिंदी पत्र एवं टिप्पण लेखन, हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता, चित्र आधारित हिंदी कहानी लेखन, गृहणियों हेतु निबंध लेखन, कम्प्यूटर आधारित हिंदी टंकण, हिंदी अंताक्षरी और भाषण प्रतियोगिता शामिल हैं।

पॉवर कंपनियों के मुख्यालय परिसर में डॉ. विश्वेश्वरैया की प्रतिमा का अनावरण

रायपुर। राष्ट्रीय अभियंता दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के डंगनिया मुख्यालय परिसर पर ऊर्जा सचिव छत्तीसगढ़ शासन एवं अध्यक्ष (जनरेशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी) डॉ. रोहित यादव (आईएएस) द्वारा भारत रत्न सर इंजीनियर डॉ. मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैया की 165 वीं जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक ट्रांसमिशन आर.के शुक्ला, प्रबंध निदेशक डिस्ट्रीब्यूशन भीमसिंह कंवर एवं संचालक आर.ए पाठक उपस्थित थे। मंचस्थ अतिथियों का स्वागत फूल के पौधे एवं पुष्पगुच्छ के साथ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. यादव ने सभी को राष्ट्रीय अभियंता दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि अभियंता राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैया के महत्वपूर्ण योगदानों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अभियंता होने के कारण अनेक बुनियादी अधोसंरचनाओं का तो निर्माण किया ही, साथ में समाज निर्माण में भी महती भूमिका का निर्वाह किया। उनके बताये रास्ते पर चलते हुए सभी अभियंताओं को राष्ट्रनिर्माण में अपनी सहभागिता देनी चाहिए। पॉवर कंपनी के अभियंता बिजली उत्पादन एवं वितरण के माध्यम से छत्तीसगढ़ के घरों तक रोशनी पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

सामरिक क्षेत्रीय मुख्यालय आईटीबीपी में हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ

कोण्डागांव। देशभर में हिंदी दिवस के अवसर पर 14 से 29 सितंबर तक मनाए जा रहे हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत सामरिक क्षेत्रीय मुख्यालय (भुवनेश्वर) आईटीबीपी में सोमवार को हिंदी पखवाड़े का विधिवत शुभारंभ किया गया। ज्ञात हो कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गांधीनगर, गुजरात में आयोजित पांचवें राष्ट्रीय राजभाषा सम्मेलन का उद्घाटन कर हिंदी दिवस का शुभारंभ किया था और सभी केंद्रीय कार्यालयों में हिंदी पखवाड़ा मनाने का आह्वान किया था। इसी कड़ी में सामरिक क्षेत्रीय मुख्यालय आईटीबीपी, कोण्डागांव में समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर सेनानी (स्टाफ) एएन दत्ता ने हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए सरकारी कार्य में सरल और सहज हिंदी अपनाने पर बल दिया। कार्यक्रम से क्षेत्रीय मुख्यालय, खोर्द्धा (ओडिशा) के सभी अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े। सहायक सेनापति (राजभाषा) ने जानकारी दी कि हिंदी पखवाड़े के दौरान कुल सात प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें दो प्रतियोगिताएं विशेष रूप से हिंदीतर भाषी कार्मिकों के लिए होंगी।

डीएवी पब्लिक स्कूल किरंदुल में हिंदी दिवस के अवसर पर विविध साहित्यिक गतिविधियों का आयोजन

किरंदुल। किरंदुल स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में 14 सितम्बर हिंदी दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बता दें कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य एस के श्रीवास्तव द्वारा मां सरस्वती के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस समारोह में निबंध लेखन प्रतियोगिता भाषण, गीत, कविता पाठ की शानदार प्रस्तुति छात्राओं के द्वारा दिया गया।विजेता एवं प्रतिभागी छात्राओं को प्राचार्य के द्वारा पुरस्कृत किया गया।विद्यालय के प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में हिंदी भाषा की सांस्कृतिक, सामाजिक और राष्ट्रीय महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी पहचान और आत्मा है। यह आयोजन छात्र - छात्राओं में हिंदी के प्रति प्रेम और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास रहा। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका वनेश्वरी साहू के द्वारा किया गया।

सोशल मीडिया पर पोस्ट से मचा बवाल, भाजपा ने मामला दर्ज कराया कांग्रेस कह रही एफआईआर क्यों?

कांग्रेस ने थाने पहुंच जमकर किया हंगामा

कांकेर। वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे ने एक बार फिर कांकेर की राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है एक कांग्रेस कार्यकर्ता द्वारा गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ फेसबुक में पोस्ट करना इतना ज्यादा तूल पकड़ लिया कि सांसद व विधायक को युवक पर मामला दर्ज कराने थाने में बैठना पड़ गया। मामला जब बीजेपी कार्यकर्ताओं समेत सांसद भोजराजनाग व विधायक आशाराम नेताम कोतवाली पहुँच हंगामा के बाद कांग्रेसी कार्यकर्ता पर एफआईआर दर्ज करने की मांग पर अड़ गये व कोतवाली थाना प्रभारी के खिलाफ ही नारेबाजी शुरू कर दी, दबाव में पुलिस ने कांग्रेसी कार्यकर्ता पर एफआईआर किया गया जिसके विरोध सोमवार को कांग्रेसी कार्यकर्ता पर एफआईआर से नाराज दिग्गज कांग्रेसी नेता राजेश तिवारी, भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष व पार्षदगण सहित कई कांग्रेसी कार्यकर्ता कोतवाली पहुँच ठीक गेट के सामने जमकर हंगामा किया व नारे बाजी की गई। घंटों हंगामा करने के बाद कार्यकर्ता पट की गई एफआईआर वापस लेने की मांग एसडीओपी के पास रखी। मामला दो दिन पहले का है जहां एक कांग्रेसी कार्यकर्ता द्वारा फेसबुक पर गृहमंत्री अमित शाह का एक वीडियो पोस्ट किया गया वीडियो में वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगाते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं वीडियो वायरल होते ही सांसद भोजराज नाग व विधायक आशाराम नेताम व भाजपा कार्यकर्ता कोतवाली थाना पहुंच घंटों हंगामा कर कांग्रेसी कार्यकर्ता के खिलाफ एफआईआर की मांग करने लगे दबाव में आकर पुलिस ने जब कांग्रेसी कार्यकर्ता पर एफआईआर किया गया। कांग्रेसी कार्यकर्ता के खिलाफ एफआईआर होने के बाद नाराज कांग्रेसी भी कोतवाली थाना कांकेर पहुंचे। जहां नाराज कांग्रेसियों ने जमकर हंगामा मचाया कोतवाली थाना के सामने वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगाते हुए घंटों नारेबाजी किया गया। इस दौरान कांग्रेस के दिग्गज नेता राजेश तिवारी समेत भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी भी कोतवाली थाना कांकेर पहुंचे और एफआईआर वापस लेने की मांग पर अड़े रहे। जिसके बाद कांग्रेसियों ने थाना प्रभारी के चेम्बर में बैठ कांकेर एसडीपीओ से बातचीत कर वापस लौटे। इस सबन्ध में कांग्रेस नेता राजेश तिवारी का कहना था कि प्रशासन हमारे कार्यकर्ताओं को परेशान कर रही है व उन पर भाजपा के दबाव में मामला दर्ज कर रही है। इनकी सत्ता ज्यादा दिन टिकने वाली नहीं है। भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मण्डावी ने भी कांग्रेस कार्यकर्ता पर लगाये आरोप को निराधार बताया व कार्यवाही को भी गलत बताया है। फिलहाल पुलिस प्रशासन भाजपा-कांग्रेस की छिड़ी इस जंग पर बेहद चिंतित नजर आ रही है।

निःशुल्क टेस्ट सीरीज के माध्यम से अभ्यर्थी कर सकते हैं प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी

कोण्डागांव। जिला प्रशासन कोंडागांव द्वारा संचालित लक्ष्य कोचिंग संस्थान में प्रत्येक सीजीपीएससी, अमीन-पटवारी और शिक्षक भर्ती वर्ग 2 व वर्ग 3 परीक्षाओं के लिए निःशुल्क टेस्ट सीरीज का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य अभ्यर्थियों को परीक्षा पूर्व अपनी तैयारी परखने और कमजोरियों को पहचानने का अवसर देना है। यह टेस्ट सीरीज न केवल आत्ममूल्यांकन का साधन बनेगी बल्कि मुख्य परीक्षा में होने वाली गलतियों से बचने का भी मार्ग प्रशस्त करेगी। इस टेस्ट सीरीज़ में परीक्षार्थियों को सीजीपीएससी के 45 टेस्ट, अमीन-पटवारी के 10 टेस्ट, शिक्षक भर्ती वर्ग 2 के टेस्ट और शिक्षक भर्ती वर्ग 3 के 15 टेस्ट किए जाएंगे। संस्थान ने इन टेस्ट का प्रारूप व्यापम और सीजीपीएससी की वास्तविक परीक्षाओं के अनुरूप तैयार किया है। बड़ी संख्या में कोंडागांव के अभ्यर्थी पहले ही पंजीयन कर इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। यह टेस्ट सीरीज पूर्णतः निःशुल्क है। इच्छुक अभ्यर्थी अपना पंजीयन जिला पंचायत के पीछे स्थित लक्ष्य कोचिंग संस्थान, कोंडागांव में करवा सकते हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप प्रदेश के हर प्रतिभाशाली युवा को, चाहे वे आर्थिक रूप से कितने ही कमजोर क्यों न हों, प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी का अवसर मिले। इसी विजन के तहत कोंडागांव जैसे अति संवेदनशील और दूरस्थ क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग और टेस्ट सीरीज की सुविधा दी जा रही है। यह पहल युवाओं को आत्मनिर्भर और सफलता की ओर अग्रसर करने में मील का पत्थर साबित होगी।

पखांजूर से तीर्थयात्रा के लिए निकली बस जौनपुर में दुर्घटनाग्रस्त, 4 की मौत

बस में 56 लोग थे सवार, परिजनों में शोक की लहर

कांकेर। परलकोट से तीर्थ दर्शन के लिए जा रही एक ट्रेलर से टकरा गई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और छह गंभीर रूप से घायल हो गए। यह बस पखांजूर से तीर्थयात्रियों को लेकर 7 सितंबर को निकली थी, जिसमें कुल 56 लोग सवार थे। यह दुर्घटना उस समय हुई जब बस अयोध्या से वाराणसी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए जा रही थी। मृतकों में तीन महिलाएं शामिल हैं- आशा भवाल (मायापुर), रेखा बनीक, गुलाब देवी और बस का ड्राइवर दीपक। सभी घायलों का इलाज चल रहा है। बस में सवार कुल 56 यात्रियों में से 53 पखांजुर और तीन गडचिरोली, महाराष्ट्र के रहने वाले थे। यह बस बालाजी ट्रैवल्स की थी, जिसका नंबर सी जी 07 सी टी 4681 है। बताया जा रहा है कि बस का ड्राइवर ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था, तभी उसने नियंत्रण खो दिया और बस सामने चल रहे ट्रेलर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। मृतका आशा भवाल के परिजन संजीत भवाल ने बताया कि उनके भाई उपा भवाल ने फोन पर उन्हें इस हादसे की जानकारी दी। उपा भवाल ने बताया कि रात लगभग 4 बजे यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी ज़बरदस्त थी कि ऊपर सो रहे यात्री नीचे गिर गए। किसी तरह वह खुद उठे और अपनी पत्नी आशा भवाल को ढूंढने लगे। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी बस की खिड़की और सीट के बीच फंसी हुई थीं और बुरी तरह से लहूलुहान थीं। यह बस साई टूर एंड ट्रेवल्स की थी, जिसे अर्जुंदा निवासी वेद सोनकर ने दो महीने पहले ही खरीदा था। इस बस में दो ड्राइवर थे, जिसमें से अर्जुंदा निवासी ड्राइवर सुरक्षित है, जबकि दुर्ग निवासी ड्राइवर की मौत हो गई है। यात्रियों ने बताया कि सभी लोग पखांजुर से बस में सवार हुए थे और बस की बुकिंग भी यहीं से हुई थी। दुर्घटना के बाद से बस बुकिंग करने वाले व्यक्ति का नंबर बंद आ रहा है, जिससे यात्रियों के परिजनों को और भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पेंड्रारोड न्यायालय से भागने वाला फरार आरोपी गुलशन मांझी गिरफ्तार साइबर सेल जीपीएम की बड़ी सफलता

बिलासपुर। दिनांक 08 सितंबर 2025 को जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के पेंड्रारोड न्यायालय परिसर से आरोपी गुलशन मांझी पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया था। न्यायालय पेशी के दौरान आरोपी ने पुलिस जवान को धक्का देकर मौके से भाग निकला था। इस घटना को लेकर पुलिस विभाग में गंभीरता देखी गई और तत्काल प्रभाव से सुरक्षा में लापरवाही बरतने वाले दो पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया था। साथ ही आरोपी की पतासाजी एवं गिरफ्तारी के लिए विशेष जांच दल गठित किया गया था। घटना के बाद से ही पुलिस अधीक्षक श्री सुरजन राम भगत ने आरोपी की गिरफ्तारी को प्राथमिकता बनाते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री ओम चंदेल के मार्गदर्शन में साइबर सेल जीपीएम को सक्रिय किया। आरोपी लगातार अपनी लोकेशन बदल-बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था। इस दौरान तकनीकी एवं मुखबिर तंत्र के माध्यम से सूचना मिली कि आरोपी अपने कपड़े और पैसों की व्यवस्था के लिए गौरेला क्षेत्र में आने वाला है। जानकारी के अनुसार गुलशन मांझी रीवा (मध्यप्रदेश) से ट्रेन के जरिए वेंकटनगर आया था और वहां से पैदल अपने गांव पहुंचकर परिवार से मिलने का प्लान बनाया था। इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी की धर पकड़ की। साइबर सेल जीपीएम और थाना गौरेला की संयुक्त टीम ने उप निरीक्षक सुरेश ध्रुव के नेतृत्व में तकनीकी इनपुट एवं मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी गुलशन मांझी को आज दिनांक 16 सितंबर 2025 को भस्कुरा क्षेत्र से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। डीएसपी साइबर दीपक मिश्रा और एसडीओपी गौरेला श्याम सिदार के सुपरविजन में आरोपी की पतासाजी और धर पकड़ में साइबर सेल जीपीएम के सहायक उप निरीक्षक मनोज हनोतिया, प्रधान आरक्षक चौपाल कश्यप, रवि त्रिपाठी तथा आरक्षक राजेश शर्मा, इंद्रपाल आर्मो, सुरेन्द्र विश्वकर्मा, हर्ष गहरवार और सन्नी कोशले की मुख्य भूमिका रही ।

जनदर्शन में 27 लोगों ने दिए आवेदन, कलेक्टर ने समक्ष में सुनी समस्याएं

गौरेला पेंड्रा मरवाही। साप्ताहिक कलेक्टर जनदर्शन में 27 लोगों ने विभिन्न मांगों, समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने लोगों की समस्याओं को समक्ष में सुना और आवेदनों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जनदर्शन में पीएम आवास निर्माण कार्य में किए गए मजदूरी की राशि दिलाने, वन अधिकार पट्टा, अवैध निर्माण कार्य, पीएम आवास के लिए रेत परिवहन की अनुमति, मुआवजा राशि दिलाने, सरपंच के द्वारा 15वें वित्त के राशि की अनियमितता करने, आंगनबाड़ी के पास आरक्षित भूमि को नक्शा में चिन्हांकित करने, स्कूलों के डिसमेंटल के संबंध में, राशन कार्ड से पत्नी का नाम विलोपित करने, शासकीय भूमि पर जबरन कब्जा करने, फौती नामांतरण, रजिस्ट्री रोके जाने, फर्जी तरीके से जमीन हड़पने और जमीन की नाप एवं दुरूस्ती कराने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

साप्ताहिक जनदर्शन

कलेक्टर ने सुनी लोगों की समस्याएं, आवश्यक कार्यवाही के दिए निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने साप्ताहिक जनदर्शन में आज दूर-दराज से पहुंचे ग्रामीणों की फरियादें सुनी। उन्होंने एक-एक कर प्रत्येक व्यक्ति से मुलाकात कर उनका आवेदन लिया और आवश्यक कार्रवाई के लिए मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए। जनदर्शन में जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल एवं निगम आयुक्त श्री अमित कुमार ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। आज लगभग 100 से ज्यादा लोगों ने जनदर्शन में व्यक्तिगत एवं सामुदायिक हित से जुड़े विषयों को लेकर जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करते हुए आवेदन दिया। जनदर्शन में आज ग्राम पंचायत टाटीधार, खोंगसरा, मोहली, आमागोहन एवं तुलुफ के सरपंचों ने कलेक्टर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि उनके ग्राम पंचायतों से सहकारी केंद्र बैंक की दूरी अत्यधिक होने के कारण उन्हें धान बिक्री के बाद राशि प्राप्त करने 60 से 70 किलोमीटर दूर करगी रोड कोटा जाना पड़ता है। कई बार अत्यधिक भीड़ होने के कारण उन्हें बहुत ही परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही उन्होंने बिजली एवं स्वास्थ्य विभाग से जुड़े अन्य समस्याओं से भी कलेक्टर को अवगत कराया। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने इस मामले को संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत खोंगसरा के जनपद सदस्य श्री कांति मरावी ने ग्राम पंचायत खोंगसरा में स्थित हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी विद्यालय में बाउंड्री वॉल निर्माण के लिए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में हाई स्कूल, हायर सेकेण्डरी एवं प्राथमिक शाला एक ही परिसर में संचालित हो रहे है। बाउंड्री वॉल का अभाव होने से विद्यालय परिसर में बाहरी व्यक्तियों एवं पशुओं का प्रवेश आसानी से हो जाता है, जिससे विद्यार्थियों की शिक्षा बाधित होती है। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को उनका ज्ञापन सौंपते हुए हर संभव कार्रवाई के निर्देश दिए। शहर के हेमूनगर निवासियों ने कलेक्टर से मिलकर गली में जल निकासी, प्रवेश मार्ग की खराब स्थिति और सड़क पर बढ़ते अतिक्रमण के संबंध में उन्हें अवगत कराया। निवासियों ने कलेक्टर को बताया कि अतिक्रमण के कारण गलियां और सड़कें काफी संकरी हो गई, जिससे एंबुलेंस, कचरा गाडियां जैसे वाहनों की आवाजाही में भारी दिक्कत हो रही है। साथ ही उन्होंने बताया कि नाली सफाई स्लैब ढालने से पूर्व नहीं की गई, जिसके कारण अब यह बार-बार जाम हो रहा है जिससे निवासियों और राहगीरों को असुविधा हो रही है। कलेक्टर ने उनका आवेदन नगर निगम आयुक्त को सौंपते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जनदर्शन में आई ग्राम कुआं नगारडीह निवासी अमरौतिन बाई कुर्रे ने कलेक्टर को बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हें आवास आबंटित किया गया लेकिन जारी किश्त की राशि आज तक उनके खाते में नहीं आई है। उन्होंने सरपंच, सचिव एवं आवास मित्र पर राशि गबन करने का आरोप लगाया है। कलेक्टर ने जिला पंचायत सीईओ को उनका ज्ञापन सौंपते हुए जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

जिले में मनाया जाएगा स्वच्छता ही सेवा अभियान कलेक्टर ने अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी.........

बिलासपुर। जिले में स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत 17 सितम्बर से स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ किया जा रहा है। इस वर्ष यह अभियान 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छोत्सव थीम पर मनाया जाएगा। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय मंथन सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर अभियान के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अभियान के दौरान आयोजित किये जाने वाले गतिविधियों के बारे में चर्चा की गई। प्रत्येक वर्ष 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजली देने के लिए स्वच्छ भारत दिवस के रूप में मनाया जाता है। 17 सितम्बर को जिला, विकासखण्ड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। 18 सितम्बर से 1 अक्टूबर तक सफाई मित्र-सुरक्षा शिविर, 19 से 30 सितम्बर तक श्रमदान से सफाई एवं प्रचार-प्रसार, 20 से 25 सितम्बर तक स्वच्छता लक्षित इकाइयां की साफ सफाई, 21 सितम्बर से 22 सितम्बर तक दुर्गा पूजा के आयोजन के पूर्व विशेष जन जागरूकता, 23 सितम्बर को जीरो वेस्ट इवेन्ट पद्धति पर विशेष अभियान का आयोजन एवं 24 सितम्बर को जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया जाएगा। 25 सितम्बर को एक दिन एक घंटा एक साथ -स्वच्छता श्रमदान राष्ट्रीय अभियान, 26 से 28 सितम्बर तक शालाओं, आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वच्छता से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन, 30 सितम्बर को दुर्गा पूजा पर स्वच्छता जागरूकता अभियान एवं 2 अक्टूबर को स्वच्छता ही सेवा अभियान का समापन एवं स्वच्छ भारत दिवस का आयोजन किया जाएगा।

कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक

गौरेला पेंड्रा मरवाही। साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने विभागवार जनसमस्याओं एवं जनशिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए जनसमस्याओं का तत्परता से निराकरण करने अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने विभागों में चल रहे विभिन्न योजनाओं-पेंशन, अनुकंपा नियुक्ति, प्रधानमंत्री अटल पेंशन, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, प्रधानमंत्री आवास, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और जन-धन खाता के बारे में संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली और पात्रता के अनुसार योजना का लाभ दिलाने कहा। उन्होंने दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाके लिए समाज कल्याण और स्वास्थ्य विभाग को समन्वय से शिविर लगाने ,ई-केवाईसी, डीबीटी और आधार सीडिंग कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि पीएम जनमन, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष एवं आकांक्षी ब्लॉक जनजातीय योजनाओं के तहत शासन की सभी हितग्राहीमूलक योजनाओं से हितग्राहियों को संतृप्त करना है। उन्होंने फौती, नामांतरण, बटवारा, सीमांकन, नक्शा बटांकन, अभिलेख त्रुटि सुधार, अतिक्रमण सहित विभिन्न राजस्व प्रकरणों का निराकरण नियम-प्रक्रिया का पालन करते हुए समय-सीमा के भीतर करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि पीएम जनमन योजना के तहत जितने भी आवास स्वीकृत हुए हैं और प्रगतिरत है, उन्हें 30 सितम्बर तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के साथ ही सामान्य आवास जो अप्रारंभ की स्थिति में है उसे शीघ्र प्रारंभ करने अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने अंगीकार अभियान, सेवा पखवाड़ा, स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रमों की तैयारी के बारे में जानकारी ली। स्कूलों में आधार कैंप लगाने तथा छात्रावासों में मच्छरदानी, पर्याप्त प्रकाश एवं पेजयजल व्यवस्था के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

जिले में आज से मनाया जाएगा राष्ट्रीय पोषण माह

■ पोषण जागरूकता पर आयोजित की जाएंगी गतिविधियां

बिलासपुर। राज्य शाासन के निर्देशानुसार जिले में महिला बाल विकास विभाग द्वारा 17 सितम्बर से 16 अक्टूबर 2025 तक राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर ने इसके लिए सभी विभागों का जिम्मेदारी सौंपते हुए निर्धारित कलेण्डर अनुसार क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। 17 सितम्बर को राज्य स्तर पर पोषण माह का शुभारंभ होगा। 18 सितम्बर को आंगनबाड़ी स्तर पर बच्चों किशोरों एवं व्यस्कों के लिए बीएनआई स्क्रीनिंग एवं विकास मापन शिविर का आयोजन होगा। चीनी और तेल की खपत में कमी पर सामुदायिक जागरूकता सत्र का आयोजन किया जाएगा। मोटापे से बचने में आयुष की भूमिका पर वेबीनार, सुपोषण चौपाल का आयोजन, स्कूल स्तर पर योगा एवं जंक फूड पर जागरूकता सत्र का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 19 सितम्बर को ग्राम पंचायत स्तर पर पिता के नेतृत्व में पौष्टिक आहार व्यंजन प्रतियोगिता, स्वस्थ्य भोजन का महत्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता और पौषण पर पिताओं के नेतृत्व में सामुदायिक पोषण प्रतिज्ञा का वाचन किया जाएगा। 20 सितम्बर को स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आपार आईडी एवं आभा आईडी निर्माण करने विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। 21 सितम्बर को महिला एवं बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं का वजन एवं हिमोग्लोबिन स्तर की जानकारी, पोषण ट्रेकर ऐप से प्रविष्टि की जाएगी।

एचआईवी/एड्स सघन प्रचार-प्रसार के तहत साइकिल जागरूकता रैली का आयोजन किया

■ कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बिलासपुर। एचआईवी/एड्स के सघन प्रचार-प्रसार अभियान के तहत साइकिल रैली का आयोजन किया गया। कलेक्टर कार्यालय से रैली को कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह आयोजन जिला एड्स नियंत्रण समिति व गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के संयुक्त प्रयास से किया गया। कलेक्टर कार्यालय से शुरू हुई जागरूकता रैली नेहरू चौक, राजेंद्र नगर चौक, पुलिस ग्राउंड, ईदगाह चौक, सिम्स चिकित्सालय से होकर गुजरी जिसमें छात्रों ने एचआईवी से बचाव का संदेश दिया। रैली का सम्मान रिवर व्यू में हुआ जहां छात्रों ने एचआइवी से बचने और संक्रमित लोगों के साथ भेदभाव न करने की शपथ ली। रैली में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं युवाओं ने भागीदारी की। प्रतिभागियों ने विभिन्न स्लोगन और बैनर के माध्यम से लोगों को एचआईवी/एड्स की रोकथाम, सुरक्षित जीवनशैली और जागरूकता का संदेश दिया। रैली का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस को एचआईवी संक्रमण के प्रति जागरूक करना और समाज में इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना था। इस मौके पर डॉ. गायत्री बांधी नोडल अधिकारी ने सभी को एचआईवी के संक्रमण और निदान के विषय में विस्तृत जानकारी दी। गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रोफेसर डॉ तिलक राज मीणा ने एच आई व्ही संक्रमितों के प्रति भेदभाव को खत्म करने की शपथ सभी प्रतिभागियों को दिलाई। विश्व विद्यालय के एथलीट स्पोर्ट्स क्लब के सदस्यों की रैली में विशेष भागीदारी रही। छात्र अंकित कुमार,देव शर्मा,प्रभाकर कुमार,प्रियांशु राज,शगुन तिवारी कांची भोपटे,श्रेयांश ठाकुर,आदित्य तिवारी,पार्थ शर्मा,अनंत गुप्ता,आशीष चंद्राकर ने रैली को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। नया खेल स्टैंड बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया ने रैली को प्रोत्साहन प्रदान किया। रैली का संचालन एवं समन्वय स्वास्थ्य विभाग के माजिद अली द्वारा किया गया।

कलेक्टर ने टीएल बैठक में की शासकीय योजनाओं की समीक्षा

■ ई-आफिस में काम-काज की गति बढ़ाएं

■ स्कूल, आंगनबाड़ी, हॉस्टलों की अगले पन्द्रह दिनों में होगी सघन चेकिंग

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने टीएल बैठक में आज शासन की प्राथमिकता वाली तमाम योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने 30 सितम्बर तक सभी अधिकारी-कर्मचारियों का ई-केवाईसी करा लेने के निर्देश दिए। अन्यथा इस महीने का वेतन नहीं मिल सकेगा। कलेक्टर ने ई-ऑफिस के जरिए सरकार काम-काज की गति और बढ़ाने को कहा है। श्री अग्रवाल ने कहा कि पीएम जनमन में संतृप्ति लेवर को प्राप्त करने के लिए अब कुछ ही लक्ष्य बचे हैं। इन्हें भी 30 सितम्बर तक अभियान चलाकर पूर्व कर लिया जाये। कलेक्टर ने बैठक में कल से शुरू हो रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान पखवाड़ा की जानकारी दी। अधिकारी-कर्मचारियों को अपने ऑफिस, घर और आस-पास की साफ-सफाई करने पर जोर दिया। शहर-शहर एवं गांव-गांव में यह अभियान जनभागीदारी पर चलाया जायेगा। अभियान के दौरान जिले की तमाम हॉस्टल, आश्रम, स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्रों का अधिकारी निरीक्षण भी करेंगे। राशन दुकानों का भी जायजा लिया जायेगा। इन संस्थाओं के काम-काज को और कैसे जनहितैशी और बेहतर किया जा सके, इस पर विचार किया जायेगा। उन्होंने सभी एसडीएम से कहा कि त्योहार के सीजन चल रहे हैं। सभी अपने-अपने स्तर पर शांति समिति की बैठक लेकर आयोजन समितियों को हाई कोर्ट एवं राज्य शासन के दिशा-निर्देशों की जानकारी दे दें ताकि वे इनका ठीक से पालन करें। अत्यधिक भीड़-भाड़ वाले स्थलों में यातायात नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग किया जाये। धान खरीदी की तैयारी की भी कलेक्टर ने समीक्षा की। उन्होंने बचे 13 हजार किसानों के पंजीयन की दिक्कतें दूर करने को कहा है। कलेक्टर ने कहा कि एक भी किसान एग्रीस्टेक पंजीयन से बचे नहीं रहना चाहिए। कलेक्टर की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की भी बैठक हुई। दुर्घटना रोकने के लिए किये जा रहे प्रयासों के असर की जानकारी ली गई। उन्होंने कहा कि सड़कों की सरंचना एवं बनावट में ऐसे सुधार किया जाये कि वे ब्लेक एवं ग्रे स्पॉट सदा दिन के लिए न रहें। ये दाग उन जगहों के लिए मिट जाये। आरटीओ ने बताया कि गलत वाहन चालन के लिए इस साल 610 लाईसेंस निरस्त किये गये हैं। उन पर निगरानी भी रखी जा रही है। कलेक्टर ने शहर में बिजली के खम्भों पर से लटकते हुए तारों को शीघ्र हटाने के निर्देश दिए। सड़कों के चौक चौराहों पर लगे पुराने हो चुके रेडियम संकेतों को नया लगाने को भी कहा है। उन्होंने कोटका एक्ट के तहत कार्रवाई की गति बढ़ाने के निर्देश भी दिए हैं। बैठक में नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल,एडिशनल कलेक्टर शिव कुमार बनर्जी, एडिशनल एसपी अर्चना झा भी बैठक में उपस्थित थीं।

जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा में सरकारी धन का दुरूपयोग

कोरबा। कोरबा जिले के जनपद पंचायत पोड़ी-उपरोड़ा में सरकारी धन के दुरुपयोग का एक बड़ा मामला सामने आया है। आरोप है कि पंचायत चुनाव समाप्त होने के बाद भी चुनाव कार्य के नाम पर फोटोकॉपी बिल बनाकर लाखों रुपये का भुगतान दिया गया है। इस मामले में जनपद सीईओ और शाखा प्रभारी समेत अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से स्थानीय चैहान टेलीकॉम को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया गया है।जानकारी के मुताबिक 24 मार्च को एक ही दिन में 8 अलग-अलग बिल क्रमांक 181 से 193 जारी किए गए। इनमें प्रति फोटोकॉपी 2 रूपये की दर से कुल 3,86,760 के बिल बनाए गए। बिलों की राशि 47 हजार से लेकर 50 हजार तक दर्ज की गई, जिनका भुगतान 15वें वित्त आयोग की राशि से कर दिया गया। चैंकाने वाली बात यह है कि 17 फरवरी 2025 को पंचायत चुनाव की मतदान और मतगणना प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी, इसके बावजूद एक माह बाद चुनावी खर्च के नाम पर यह बिल तैयार किए गए।

प्रश्न यह है कि जब चुनाव संपन्न हो चुका था तो चुनावी कार्यों के लिए फोटो कॉपी और स्टेशनरी का खर्च बाद में क्यों दिखाया गया? एक ही दुकान से हुए कार्य का एक ही बिल बनाने की बजाय 8 अलग-अलग बिल क्यों जारी किए गए? सूत्रों का कहना है कि जनपद पंचायत अधिकारियों और बाबुओं की मिलीभगत से चैहान टेलीकॉम को प्रायोजित लाभ पहुंचाने ।

मधुमेह से बचाव में फायदेमंद होती है खड़े रहने की आदत

अक्सर स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए चहलकदमी और व्यायाम का सुझाव दिया जाता है, लेकिन इस मामले में खड़े रहने की आदत भी मददगार साबित हो सकती है। एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2

फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर

रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।

एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2 मधुमेह से बचाव के मामले में खड़े रहना फायदेमंद होता है। फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता के बीच संबंध पाया गया है। इतना ही नहीं रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।

खराब इंसुलिन प्रणाली मधुमेह की वजह

एनर्जी मेटाबॉलिज्म और रक्त शर्करा के नियमन में इंसुलिन एक प्रमुख हार्मोन है। कई बार वजन अधिक होने से शरीर में इंसुलिन के सामान्य फंक्शन में गड़बड़ी हो सकती है, जिससे इंसुलिन संवेदनशीलता कम हो जाती है और टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों का खतरा बढ़ जाता है। टाइप 2 मधुमेह दुनियाभर में सबसे आम जीवनशैली की बीमारियों में से एक है। इसकी शुरुआत आमतौर पर बिगड़ी हुई इंसुलिन संवेदनशीलता या इंसुलिन प्रतिरोध से होती है। यह एक ऐसी स्थिति होती है, जिसमें शरीर सामान्य रूप से इंसुलिन पर प्रतिक्रिया नहीं करता है और रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है।

गतिहीन व्यवहार से इंसुलिन प्रणाली प्रभावित

जीवनशैली का इंसुलिन में रुकावट और टाइप 2 मधुमेह के विकास पर एक गहरा प्रभाव पड़ता है। इन समस्याओं की रोकथाम में नियमित शारीरिक गतिविधि महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि अब तक इंसुलिन की रुकावट पर गतिहीन व्यवहार, लगातार बैठे रहने के बीच ब्रेक और खड़े रहने की आदत के प्रभावों के बारे में बहुत कम जानकारी है। तुर्कू पीईटी सेंटर और यूकेके संस्थान के हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इंसुलिन में बाधा और गतिहीन व्यवहार के बीच संबंध की जांच की। इसके

निष्क्रियता के साथ टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों के विकास के बढ़ते जोखिमों को भी देखा।

अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि रोजमर्रा की नियमित शारीरिक गतिविधि या बैठने के समय, फिटनेस स्तर से अलग स्वतंत्र रूप से खड़े रनहा बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा

एवं तुर्कू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तारू गर्थवेट का कहना है कि अध्ययन के निष्कर्ष रोजाना बैठने के समय के एक हिस्से में लोगों को खड़े रहने के लिए प्रेरित करेंगे। खासकर अगर शारीरिक गतिविधि की जरूरतों को पूरा नहीं किया जाता है तो यह तरीका मददगार हो सकता है।

जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम होगी

भी जोर देता है। अध्ययन परिणाम बताते हैं कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस या बैठने में लगने वाले समय की तुलना में शरीर में वसा के प्रतिशत में इजाफा इंसुलिन संवेदनशीलता के मामले में अधिक महत्वपूर्ण कारक है। दूसरी ओर खड़े होना शरीर की संरचना के बावजूद इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा था। शोधकर्ताओं का कहना है कि नियमित व्यायाम को स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है।

मगर ऐसा लगता है कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस और गतिहीन व्यवहार भी इंसुलिन मेटाबॉलिज्म से जुड़े हुए हैं, लेकिन परोक्ष रूप से यह शरीर की संरचना पर उनके प्रभाव के माध्यम से जुड़े हैं। जर्नल ऑफ साइंस एंड मेडिसिन इन स्पोर्ट में प्रकाशित इस अध्ययन के आधार पर अभी तक कारण प्रभावों का अनुमान नहीं लगाया जा सका है। लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार परिणाम बताते हैं कि यदि पर्याप्त शारीरिक गतिविधि नहीं की जा रहीं तो रोजाना खड़े होने का समय बढ़ाने से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम में मदद मिल सकती है।

कम नींद लेने से हो सकती हैं गंभीर बीमारियां

कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमरियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार 60% से ज्यादा भारतीय सोचते हैं कि नींद लेना कोई प्राथमिकता नहीं है। पिछले कुछ सालों में नींद के महत्व और आवश्यक नींद पूरी न होने से जुड़े खतरों के बारे में बताए जाने के बाद भी लोग नींद को उतनी अहमियत नहीं देते जितना कि व्यायाम को देते हैं। हाल ही में देशभर में हुए सर्वेक्षणों से पता चला है कि देश में नींद की कमी गंभीर चिंता का कारण क्यों है?

यहां तक देखा गया है कि लोगों को यह कहने में फख्र महसूस होता है कि वे 4-5 घंटे ही सोते हैं और अपने बाकी के सभी कामों को प्राथमिकता से करते हैं। यदि इस तरह के कम सोने वाले लोग अपनी नौकरी, व्यवसाय व घर-परिवार में कुशल हों तब तो ऐसे लोगों का उदाहरण दूसरे लोगों के लिए पेश किया जाता है कि 'देखो फलाना व्यक्ति ज्यादा सोने में समय बर्बाद नहीं करता है इसलिए तो उसने जीवन में इतना कुछ पा लिया है।'

यह बात और है कि आगे जाकर कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमरियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं। हमारे देश में कई लोग आज भी ऐसे हैं, जो ये मानते हैं कि खर्राटे आना गहरी नींद की निशानी है। उन्हें यह समझाना चुनौतीपूर्ण काम है कि दरअसल खर्राटे आना भी एक गंभीर नींद विकारों के कारणों में से एक है।

एक अन्य हाल ही के सर्वेक्षण में यह भी पता चला है कि 19 फीसदी भारतीय वयस्कों की नींद में बाधा का कारण उनके काम करने की शिफ्ट का बदलते रहना है। 32% युवा वयस्क टेक्नोलॉजी के ज्यादा और देर रात तक प्रयोग की वजह से पूरी नींद नहीं ले पाते हैं।

एक वयस्क के लिए भी 7 से 9 घंटे की नींद बेहद जरूरी है। कई मामलों में जो लोग इतना सोते हैं उन्हें देखकर अन्य लोग ऐसे लोगों के लिए राय बना लेते हैं कि 'फलाना व्यक्ति आलसी व कमजोर है', तो कुछ लोगों को तो खुद ही यह कहने में शर्म महसूस होती है कि 'उन्हें इतना सोने की जरूरत है।' सिर्फ 1 दिन यदि आप 4-5 घंटे से कम सोते हैं, तब आपके शरीर की वे प्राकृतिक कोशिकाएं, जो कैंसर की कोशिकाओं पर हमला करके उन्हें खत्म करने में सक्षम होती हैं, 70% तक कम हो जाती हैं। आपको कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाएं आपके शरीर में प्रतिदिन बनती हैं। रिपोर्ट के अनुसार नींद की कमी से आंत, प्रोस्टेट और स्तन कैंसर जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। कोशिश यह होनी चाहिए कि आप प्रतिदिन नियमित समय पर सोएं और नियमित समय पर उठें।

क्यों नहीं आती है आपको मीठी नींद

दिनभर की मेहनत और थकान के बाद एक सुहानी नींद पर आपका पूरा हक है लेकिन कई लोगों को बेवजह नींद न आने की शिकायत होती है। आइए मीठी नींद के लिए क्या करें जतन.

रोज सुबह उठकर कसरत करनी चाहिए।

अच्छी नींद लेने के लिए कभी भी दिन में न सोएं और सोने से कुछ देर पहले एल्कोहल या कैफीन का सेवन भूलकर भी न करें।

धूम्रपान न करने से भी नींद अच्छी आती है क्योंकि सिगरेट में पाए जाने वाला निकोटिन नींद में बाधा उत्पन्न करता है।

कई प्रकार के ड्रग्स भी आराम की नींद लेने में बाधक सिद्ध होते हैं।

अगर आप शाम को कसरत करेंगे तो आपको सोने में परेशानी हो सकती है।

जिन महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी होती है उन्हें अक्सर नींद कम आती है। इसलिए शरीर में आयरन की कमी का विशेष ख्याल रखें।

सुबह जब आप उठें तो सूर्य की तेज रोशनी को कमरे में अंदर आने दें। क्योंकि सही प्रकाश की वजह से शरीर को सही ऊर्जा मिलती है।

एक बात और ध्यान रखें कि रात को सोते वक्त बेडरूम में रोशनी कम ही रहनी चाहिए, जिससे अच्छी और भरपूर नींद आ सके।

...तो जनाब अच्छी व गहरी नींद लीजिए और फिर जिंदगी को पूरी ऊर्जा के साथ जी लेने के लिए खुद को तैयार पाइए।

सूखा नारियल सेहत के लिए है कुदरत का वरदान

सूखे नारियल का इस्तेमाल घरों में खीर, आइसक्रीम, स्वीट डिश वगैरह में होता है। ज्यादातर लोग इसे स्वाद बढ़ाने के लिए रेसिपीज में इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इसकी न्यूट्रीशनल वैल्यू काफी ज्यादा होती है। इस बात पर कम लोगों का ध्यान जाता है। नारियल आपके हार्ट और ब्रेन के लिए अच्छा होता है। साथ ही इसे चबाने से फेशियल एक्सरसाइज भी होती है। इसमें ऐंटी ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो ओवरऑल हेल्थ के लिए बढ़िया होते हैं।

ऐंटीऑक्सिडेंट्स का भंडार

नारियल में फिनॉलिक कंपाउंड होते हैं, जो कि ऐंटीऑक्सीडेंट्स हैं। ये आपकी सेल्स के ऑक्सीडेटिव डैमेज को रोकते हैं। इसमें गैलिक एसिड, कैफिक एसिड, सैलिसिलिक एसिड, पी-कोम्यूरिक एसिड होता है। नारियल आपकी धमनियों में प्लाक बनने से रोकता है जो कि हार्ट ब्लॉकेज की वजह होती हैं।

कनेक्टिव टिश्यूज के लिए फायदेमंद

नारियल में कई ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो आपके कनेक्टिव टिश्यूज को मजबूत बनाते हैं। नारियल को डायट में शामिल करने से गठिया और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याएं होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा ये स्किन के लिए भी अच्छा होता है।

आयरन की कमी को दूर करता है

महिलाओं में आयरन की कमी बड़ी समस्या है। सूखे नारियल में आयरन काफी मात्रा में पाया जाता है। डेली डायट में नारियल खाने से आयरन की कमी पूरी होती है। बच्चा पैदा होने के बाद महिलाओं को नारियल की कई मिठाइयां इसीलिए बनाकर खिलाई जाती हैं।

पोषकतत्वों का भंडार

सूखे नारियल में प्रोटीन, विटामिन्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीज और सेलिनियम पाया जाता है। ये पोषक तत्व इम्यूनिटी मजबूत करके शरीर को रोगों से बचाते हैं।

दिमाग रखता है मजबूत

नारियल खाने से किसी का आईक्यू तो नहीं बदलता लेकिन आपके ब्रेन फंक्शन को सपोर्ट करता है। स्टडीज में सामने आ चुका है कि नारियल का तेल अल्जाइमर्स होने से रोकता है।

सेहत का रखना है ख्याल तो अर्जुन फल का करें इस्तेमाल

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें।

अर्जुन के वृक्ष को भारत में व्यापक रूप से उगाया जाता है। यह स्वास्थ्य के लिए बेहद ही गुणकारी माना गया है। दरअसल, इसमें एंटीऑक्सिडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल जैसे विभिन्न औषधीय गुण होते हैं। अर्जुन हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करता है। यह हृदय की मांसपेशियों को मजबूत और टोन करता है और हृदय के समुचित कार्य में मदद करता है। इतना ही नहीं, यह उच्च रक्तचाप से लेकर दस्त, अस्थमा और खांसी आदि कई तरह की समस्याओं को दूर करने में सहायक है। अर्जुन के फल से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे -

सांसों की दुर्गंध से मिलता है छुटकारा

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें। इस फल में ऐसे होते हैं जो आपके मसूड़ों की समस्याओं और दांतों से खून बहने में भी मदद कर सकते हैं और आपको ताजा सांसें प्रदान करते हैं।

हड्डियों का रखते हैं ख्याल

अगर आप किसी किसी भी प्रकार की हड्डी की समस्या से पीड़ित हैं, तो आपको अपने आहार में अर्जुन फल को अवश्य शामिल करना चाहिए। आप इसका जूस बनाकर पी सकते हैं या इसे कच्चा खा सकते हैं। यह आपको ऑस्टियोपोरोसिस और गठिया जैसी हड्डियों की परेशानी में भी मदद कर सकता है।

ओरल हेल्थ की समस्याओं को करें दूर

अर्जुन फल खाने से वास्तव में आपकी मसूड़ों की समस्याओं को कम करने और दांतों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिल सकती है। यह दांतों से खून बहने से लेकर दांत दर्द, मसूड़ों में दर्द या मसूड़ों से खून बहना आदि समस्याओं के उपचार में प्रभावी है। आप इस फल को जूस या कच्चा खा सकते हैं। इसके अलावा, अर्जुन के फल के पाउडर का सेवन भी कर सकते हैं और इसे पेस्ट के रूप में उस जगह पर लगा सकते हैं जहां आपको मसूड़े या दांतों की समस्या हो रही है। हालांकि, यह उपाय अपनाने से पहले एक बार डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

सेंधा नमक को करें डाइट में शामिल, मिलेंगे जबरदस्त फायदे

सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है।

नमक एक ऐसा इंग्रीडिएंट है, जिसका इस्तेमाल हम सभी नियमित रूप से करते हैं। यह भोजन में एक स्वाद शामिल करता है। नमक के बिना भोजन पकाने या उसे खाने की कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं। हालांकि घरों में लोग टेबल सॉल्ट का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप नमक को अपने स्वास्थ्य के लिए लाभकारी बनाना चाहते हैं तो आज ही सेंधा नमक खाना शुरू कर दें। सेंधा नमक में सोडियम, पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम, जिंक आदि तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत को लाभ पहुंचाते हैं। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में सेंधा नमक का अत्यधिक महत्व है क्योंकि यह स्वस्थ त्वचा और बालों से लेकर वजन घटाने तक कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। सेंधा नमक से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे -

पाचन तंत्र के लिए लाभदायक

सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है। यह भूख की कमी की समस्या को सुधारने में भी मदद करता है।

प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है

सेंधा नमक विटामिन के से भरपूर होता है, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है और आपकी प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। यह शरीर की हड्डियों के चयापचय को भी बढ़ाता है, जो कई बीमारियों से बचाता है।

मांसपेशियों में ऐंठन से राहत

सेंधा नमक में सोडियम क्लोराइड का शुद्ध रूप और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। इलेक्ट्रोलाइट पोटेशियम और नमक असंतुलन मांसपेशियों में ऐंठन के लिए एक जोखिम कारक हो सकता है। तो, सेंधा नमक पोटेशियम की कमी को संतुलित कर सकता है और मांसपेशियों में ऐंठन को रोक सकता है।

गले की खराश का करता है इलाज

गले में खराश के लिए खारे पानी से गरारे करना एक आम घरेलू उपाय है। सेंधा नमक में डिकॉन्जेस्टेंट गुण होते हैं जो आपकी बंद नाक, खांसी को दूर करने में मदद करते हैं। यह टॉन्सिलिटिस अस्थमा के लिए भी एक प्रसिद्ध उपाय है, और यह आपके फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है।

रक्तचाप को करे बैलेंस

सेंधा नमक में पोटैशियम की मात्रा अधिक होती है जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। शोध बताते हैं कि सेंधा नमक रक्तचाप को संतुलित रखता है।

नवरात्रि के पंडालो पर रहेगी हिन्दू संगठन की नजर, बजरंग दल के 500 कार्यकर्ता रहेंगे मौजूद

माँ दुर्गा की मूर्ति मूल स्वरूप में हो ना कि फिल्मी या कार्टून, बनाया तो हिन्दू संगठन करेगा कार्रवाई

लोकतंत्र प्रहरी । दुर्ग। नवरात्रि पर पंडालो में गरबा का आयोजन करने वाले आयोजकों को चेतावनी देते हुए हिंदू संगठन ने साफ़ तौर पर कहा है कि,अगर गरबा पंडालों पर मर्यादा नहीं रखी गई तो हिन्दू संगठन कार्रवाई करेगा.उक्तासय को लेकर जिलाधीश दुर्ग के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया है।

मंगलवार को हिन्दू संगठन के लोग दुर्ग जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे थे इस दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए संगठन के ईश्वर गुप्ता और ज्योति शर्मा ने कहा कि,हिंदुओं के धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ किसी भी प्रकार से बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.नवरात्रि पर पंडालो में गरबा का आयोजन मर्यादित ढंग से किया जाए.नहीं तो हिंदू संगठनों के द्वारा उक्त गरबा पंडाल में जाकर कड़ा विरोध दर्ज कराया जावेगा।

इसके अलावा संगठन के पदाधिकारियों ने ये भी कहा कि, भिलाई सेक्टर 7 पानी टंकी के पास गरबा पंडाल में एक गैर हिंदू द्वारा विगत कई वर्षों से नवरात्र पर गरबा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है.जो हिंदूओं की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का काम करते हैं जिसे रोकने की मांग हिंदू संगठन ने किया है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि गरबा पंडालो में बजरंग दल के चार से 500 कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे और किसी भी प्रकार के गैर हिंदुओं के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगाई जाएगी।

इसके अलावा संगठन के ईश्वर गुप्ता ने बताया कि भिलाई नगर सेक्टर 07. सडक 33 के सामने ग्राउंड पानी टंकी के पास विगत कई वर्षों से जुल्फिक्कार नामक मुस्लिम व्यक्ति द्वारा नवरात्रि में गरबा

कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. एक ऐसा व्यक्ति जिसकी आस्था सनातन संस्कृति में नहीं है के द्वारा ऐसा आयोजन करना हिंदू समाज द्वारा कतई बर्दाशत नहीं किया जाएगा। पिछले वर्ष भी उक्त गरबा पंडाल में हिंदू संगठनों एवं आयोजनकर्ता मुस्लिम समुदाय के व्यक्ति के बीच संघर्ष व तनाव की स्थिति निर्मित हुई थी जिसे शांत करने में पुलिस प्रशासन को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा था।

उक्त परिसर में असामाजिक तत्त्वों द्वारा आयोजनकर्ता बनकर नियमों के विरूद्ध जाकर शक्ति और भक्ति के सनातनी पर्व को छेडछाड़ लवजिहाद करने के साथ ही अपनी कमाई का माध्यम बना लिया गया है ऐसे गैर हिंदूओ के द्वारा आयोजन में हिंदू लड़कियों के बीच मुस्लिम लड़कों का प्रवेश कराया जाता है, जिससे उनकी धार्मिक उन्माद फैलने आशंका बनी रहती है।

जिसको लेकर ज्योति शर्मा ने कहा कि भिलाई नगर के उक्त क्षेत्र की शांति व्यवस्था बनाये रखने एवं धार्मिक सौहार्द स्थापित करने के उद्देश्य से उक्त आयोजनकर्ता जिसका नाम जुल्फिक्कार है उसको भिलाई के सेक्टर 07, सड़क 33 के सामने ग्राऊंड पानी टंकी के पास गरबा पंडाल में माता भगवती के नवरात्र पर्व में गरबा कार्यक्रम के आयोजन की अनुमति प्रदान ना की जावें। ऐसे आयोजन से निश्चत रूप से हिंदूओं के धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचती है इसलिए यदि अनुमति दे दी गई हो तो अनुमति को निरस्त की जावे अन्यथा हमारे हिंदू संगठनों के द्वारा उक्त गरबा पंडाल में जाकर कड़ा विरोध दर्ज कराया जाएगा । इसलिए सारी जिम्मेदारी प्रशासन और उक्त कार्यकम के आयोजकों की होगी क्योकिं हिंदूओ के धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ किसी भी प्रकार से बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संगठन के पदाधिकारियों को ऐसी जानकारी मिली है कि, जुल्फिक्कार नामक व्यक्ति इस वर्ष गरबा कार्यक्रम के लिए उक्त स्थल पर किसी अन्य व्यक्ति के नाम से अनुमति लेने के प्रयास में है अतः उक्त स्थल पर किसी को भी अनुमति प्रदान ना की जावें।

इसके साथ ही संगठन ने यह भी मांग की है कि भिलाई दुर्ग के माँ दुर्गा पंडालों में ऐसे दुर्गा माँ की मूर्ति स्थापित हो जो अपने मूल स्वरूप में हो ना कि फिल्मी या कार्टून के रूप में हो ऐसी मूर्ति कहीं पायी जाती है तो प्रशासन से अनुरोध है कि मूर्ति का विर्सजन कराते हुए आयोजकों पर कानूनी कार्यवाही की जावें।

इस दौरान प्रमुख रूप से ईश्वर गुप्ता, ज्योति शर्मा, प्रफुल्ल पटेल, रामसागर, ज्ञानचंद साहू ,दौलत, प्रदीप सिंन्हा, प्रिंस राजपूत सहित बजरंग दल के कार्यकर्ता मौजूद थे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ जिला युवा कांग्रेस ने किया परिवहन कार्यालय में तालाबंदी

लोकतंत्र प्रहरी/दुर्ग। जिला युवा कांग्रेस दुर्ग ग्रामीण ने क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में हो रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ पूर्व में दिए गए आवेदन के बाद मंगलवार को घेराव किया. और युवा कांग्रेस ने यह आरोप लगाया है कि ड्राईविंग लाइसेंस बनाने के आड़ में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी द्वारा 1500 रुपये प्रति लाइसेंस आम जनता से वसूला जा रहा है। अब तक करोड़ों रुपए की अवैध वसूली करने वाले अधिकारी के खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज करवाने जिलाधीश को शिकायत की गई थी.किन्तु इस अवैध कार्य में संलिप्त अधिकारी के ऊपर प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाई नही की गई. जिससे आक्रोशित होकर जिला युवा कांग्रेस ने क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय का घेराव कर तालाबंदी कर दी ।

इस दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए दीपांकर साहू महासचिव (जिला युवा कॉंग्रेस दुर्ग ग्रामीण) ने बताया क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में हो रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा जिला प्रभारी नरेंद्र वर्मा एवं जिला युवा कांग्रेस दुर्ग अध्यक्ष जयंत देशमुख के निर्देशानुसार जिला युवा कांग्रेस आज मंगलवार को क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय मालवीय नगर दुर्ग का घेराव कर तालेबंदी की. एवं भ्रष्ट अधिकारी के खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज करने की मांग की है । इस मामले में जब क्षेत्रीय परिवहन के निरीक्षक वैभव शुक्ला से बात की गई तो उनका कहना है कि,ड्राईविंग लाइसेंस बनाने सहित अन्य प्रक्रिया पूरी तरह आनलाईन हो चुकी है.इसमें अवैध वसूली जैसी कोई बात नहीं है ।इधर, प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने चाक चौबंद व्यवस्था कर रही थी ।

सहेली अलंकरण पर निगम ने की 55,680 रुपए की चालानी करवाई

निगम ने गंदगी फैलाने वालों से वसूला जुर्माना

लोकतंत्र प्रहरी/ भिलाई। शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत डोर-टू-डोर कचरा एकत्र करने निगम के सफाई कर्मी, ई-रिक्शा, आटो टिप्पर एवं दवाई छिड़काव की टीम सभी जोन के वार्डो में जाकर कार्य कर रही है। वार्ड क्रं. 7 राधिका नगर एवं वार्ड क्रं.8 कृष्णा नगर में जोन के स्वास्थ्य विभाग की टीम दुकानों में जाकर जांच कर रही है। प्रतिशठान संचालकों द्वारा गंदगी फैलाने, गीला एवं सूखा कचरा पृथक कर नहीं देने, सिंगलयूज प्लास्टिक रखने एवं अनुज्ञप्ति लाइसेंस नहीं रखने वालो पर कार्यवाही कर रही है। कार्यवाही सजल अग्रवाल होटल से 1000

रूपये, पहलजनीस हास्पिटल 1000 रूपये, अपोलो फार्मेसी से 1500 रूपये, चिंटू फ्ल सेंटर से 100 रूपये, चीर सागर डेयरी से 200 रूपये, सुरेश फ्ल सेंटर से 100 रूपये, हिना फ्ल सेंटर से 200 रूपये, सुनीता जनरल स्टोर से 1000 रूपये, सिंग हिन्द्र फेब्रिकेशन से 1000 रूपये, शारदा डेयरी से 1000 रूपये, ब्यूटी पार्लर से 5000 रूपये, वंदना जनरल स्टोर से 1000 रूपये एवं मां शारदा साड़ी सेंटर से 500 रूपये इस प्रकार कुल 13600 रूपये की चालानी कार्यवाही करते हुए रसीद काटकर दी गई।इसी तारतम्य में सहेली अलंकरण से सहायक राजस्व अधिकारी अजय शुक्ला द्वारा दिए गए नोटिस के अनुसार 55,680 रुपए की चालानी कार्रवाई की गई।

पालिका बाजार की दुकानों की नीलामी की नई तारीखें घोषित, अब 25 सितम्बर से होगी शुरुआत

भिलाई-3। नगर निगम भिलाई-चरौदा क्षेत्रांतर्गत मुख्यमंत्री पालिका बाजार (शॉपिंग कॉम्प्लेक्स), जो कि जी.ई. रोड पर प्रमुख लोकेशन में स्थित है, उसकी दुकानों की आम नीलामी की पूर्व निर्धारित तिथियों में बदलाव किया गया है। पहले यह नीलामी 16 से 19 सितम्बर 2025 तक प्रस्तावित थी, लेकिन अब निगम प्रशासन ने नई तिथियां तय कर दी हैं। नई नीलामी की तिथियां-निगम के अनुसार अपरिहार्य कारणों से नीलामी की तिथियों में संशोधन किया गया है। अब दुकानों की नीलामी इन तिथियों पर होगी–25 सितम्बर 2025, 26 सितम्बर 2025, 30 सितम्बर 2025, वहीं, जो दुकानें इन तिथियों में नीलाम नहीं हो पाएंगी, उनकी बोली प्रक्रिया 6 अक्टूबर 2025 को आयोजित की जाएगी। व्यापारियों में उत्साह-पालिका बाजार

की नीलामी को लेकर स्थानीय व्यापारियों और निवेशकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। निगम प्रशासन को उम्मीद है कि इस नीलामी से क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियों को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। महापौर की अपील-महापौर निर्मल कोसरे ने नागरिकों और व्यापारियों से नीलामी में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है। उन्होंने कहा–पालिका बाजार में दुकानों की नीलामी व्यापार और निवेश के लिए एक सुनहरा अवसर है। शहरवासी और इच्छुक व्यापारी निर्धारित तिथियों पर नीलामी में अवश्य भाग लें और इस अवसर का लाभ उठाएँ।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का 19 सितंबर को दुर्ग आगमन

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण की बैठक

भारी वाहनों का शहर के भीतर प्रवेश बंद

लोकतंत्र प्रहरी/दुर्ग। छत्तीसगढ़।दुर्ग. सीएम विष्णु देव साय की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण की बैठक 19सितंबर शुक्रवार को होगी। इस लिहाज से वीवीआईपी मूवमेंट को देखते हुए पुलिस ने दुर्ग शहर में यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए वैकल्पिक मार्ग और पार्किंग स्थल के लिए एडवाइजरी जारी कर दिया है। इस दिन दुर्ग शहर के अंदर भारी वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। भारी वाहनों, यात्री बसों और अन्य वाहनों के लिए रूट मैप जारी किया गया है। पुलिस ने बताया कि विभिन्न जिलों

से आने वाले बसों के लिए निर्धारित स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है, ताकि शहर के भीतर अनावश्यक जाम की स्थिति न बने और नागरिकों को यातायात में किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिला बालोद, अर्जुंदा, डोंगरगढ़, दल्लीराजहरा, धमतरी, राजनांदगांव एवं खैरागढ़ से आने वाली बसों के लिए रक्षित केन्द्र दुर्ग में पार्किंग व्यवस्था एवं बस नंबर के दौरान जीवन प्लाजा के सामने खड़ी होंगी। धमधा नाका, बायपास मार्ग से ग्रीन चौक की ओर आने वाले मार्ग से पहुँचने वाली रायपुर, राजनांदगांव, धमधा, कवर्धा एवं बेमेतरा की ओर से आने वाली बसों के लिए ग्रीन चौक (बायपास मार्ग) पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इसी तरह पाटन की ओर से आने वाली बसें समृद्धि बाजार के सामने, हॉकी मैदान में पार्किंग होगी । इस अवधि में भारी वाहनों का शहर के भीतर प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इसके लिए शहर की सीमाओं पर आवश्यक अवरोध एवं पुलिस बल की तैनाती की गई है। इस दौरान किसी भी प्रकार की इमरजेंसी होने पर ई-रिक्शा एवं ऑटो की व्यवस्था की गई है।

राजहरा माइंस में एसोसिएशन की कमेटी का होगा गठन- कोमल प्रसाद

- **एसोसिएशन की कार्मिकों से कई मुद्दों पर चर्चा**
- **मुख्य महाप्रबंधक से सुरक्षा उपायों और समस्याओं की ली जानकारी**
- **प्रतिनिधि मंडल ने अपनी वार्षिक पत्रिका नया सवेरा मुख्य महाप्रबंधक को की भेंट**

लोकतंत्र प्रहरी/ भिलाई। एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सेल, एससी एसटी एम्प फ़ेडरेशन नई दिल्ली के उपाध्यक्ष कोमल प्रसाद के नेतृत्व में भिलाई इस्पात संयंत्र, एससी/एसटी एम्पलाइज एसोसिएशन का प्रतिनिधि मंडल, राजहरा माइंस में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के कर्मचारियों एवं अधिकारियों से के साथ बैठक की। प्रतिनिधि मंडल ने अपने वार्षिक पत्रिका 'नया सवेरा' मुख्य महाप्रबंधक को भेंट कर एसोसिएशन की गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की।

प्रतिनिधि मंडल ने आरबी गहरवार, मुख्य महाप्रबंधक माइंस एवं मायाराम महाप्रबंधक, प्रभारी से खदानों में कार्यरत अनुसूचित जाति एवं जनजाति के कर्मचारियों एवं अधिकारियों से संबंधित जानकारी प्राप्त की। और कार्मिकों के लिए किये जा रहे सुरक्षा उपायों, उनकी समस्याओं एवं निदान से संबंधित जानकारी हासिल की। तत्पश्चात प्रतिनिधि मंडल ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति के कार्मिकों के साथ राजहरा गेस्ट हॉउस मे बैठक कर कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। आने वाले दिनों में माइंस में विभागीय कमेटी बनाये जाने का भी प्रस्ताव भी कार्मिकों द्वारा रखा गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष कोमल प्रसाद ने आश्वासन दिया कि बहुत जल्द ही राजहरा माइंस में हमारे एसोसिएशन के अंतर्गत विभागीय कमेटी का गठन किया जायेगा। बैठक में एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष कोमल प्रसाद, कार्यकारी अध्यक्ष चेतनलाल राणा, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार खेलवार एवं राजहरा माइंस से संतोष कुमार मेश्राम, नरेन्द्र जनबंधु सुरेन्द्र कुमार मेश्राम, संतोष कुमार सहारे, अशोक बाम्बेश्वर, संतोष घराना, दिनेश उर्वशा, रतिराम कोसमा, प्रभूराम बंजारे, टी. एल अजगल्ले, अवध भुआर्य आदि उपस्थित थे। राजहरा माइंस के कार्मिक विभाग के कार्मिक अधिकारी गिरीश मढरिया एवं अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी एसआर साहू बैठक आयोजित कराने में सराहनीय योगदान रहा।

पुलिस ने ली दुर्गा उत्सव समितियो के आयोजकों की बैठक

अनुमति प्राप्त कर साउंड सिस्टम लगाने दी गई समझाइश

दुर्ग भिलाई के 125 से ज्यादा आयोजक हुए बैठक में शामिल

लोकतंत्र प्रहरी/ भिलाई। दिनांक 22 सितंबर से प्रारंभ नवरात्रि को दृष्टिगत रखते हुये विजय अग्रवाल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जिला दुर्ग के निर्देशानुसार पुलिस कण्ट्रोल रूम, में सुखनंदन राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शहर द्वारा दुर्ग दुर्गोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष सदस्यों की बैठक ली गयी। बैठक में, आयोजन के लिये नियमानुसार संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी से अनिवार्य रूप से अनुमति प्राप्त किये जाने, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग के लिए उच्चतम न्यायालय उच्च न्यायालय व्दारा दिये गये निर्देशों का पालन करने, रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक किसी भी स्थिति में ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग नहीं करने, डीजे का उपयोग नहीं करने, पण्डाल एवं वाहन पार्किंग स्थल पर पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरा लगाने, प्रतिमा एवं पण्डाल की सुरक्षा की सम्पूर्ण जवाबदारी आयोजन समिति को लेने निर्देश दिए गए। पण्डाल में प्रत्येक रात्रि में अनिवार्य रूप से वालेण्टियर नियुक्त करने, आयोजन स्थल पर 24 घण्टे पर्याप्त वालेण्टियर रखने, वालेण्टियर नहीं रखने एवं किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित होने की स्थिति में सम्पूर्ण जवाबदारी आयोजकों की होगी। प्रत्येक वालेण्टियर का सत्यापन कराये जाने, आयोजन समिति के अध्यक्ष सदस्य एवं वालेण्टियर की सूची संबंधित थाना चौकी को उपलब्ध कराये जाने, पृथक से वाहन पार्किंग की व्यवस्था कर पार्किंग शुल्क न लेने समझाइश दी गई।

सचिन पायलट और भूपेश बघेल बाइक रैली के साथ पहुंचेंगे दुर्ग

वोट चोर, गद्दी छोड़ कार्यक्रम में होंगे शामिल

सहप्रभारी डॉ एस ए संपत कुमार ने लिया बैठक

लोकतंत्र प्रहरी/दुर्ग। छत्तीसगढ़।दुर्ग.भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव एवं छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रभारी सचिन पायलट 18 सितंबर को दुर्ग आएंगे यहां वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान के तहत आम सभा करेंगे. इसको लेकर मंगलवार को दुर्ग कांग्रेस भवन में बैठक की गई। बैठक को लेकर जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने बताया कि एआईसीसी महासचिव सचिन पायलट व एआईसीसी महा सहसचिव एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 18 सितम्बर गुरुवार को मिनीमाता चौक दुर्ग से बाईक रैली के साथ सभा स्थल गांधी चौक दुर्ग पहुंचेंगे । बाइक रैली में पीसीसी चीफ दीपक बैज सहित अन्य नेता भी सभास्थल पहुंचेंगे।

आमसभा की तैयारी को लेकर दुर्ग में जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण व शहर की बैठक छत्तीसगढ़ सह प्रभारी डॉ एस ए संपत कुमार ने लिया। इस दौरान दुर्ग ग्रामीण जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर व पूर्व विधायक अरुण वोरा, प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र साहू उपस्थित रहे ।

बैठक का मुख्य उद्देश्य 18 सितम्बर को दुर्ग में आयोजित वोट चोर गद्दी छोड़ कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर था। जब से दुर्ग में कार्यक्रम तय हुआ है प्रतिदिन अलग अलग बैठक कर कार्यक्रम की तैयारी की जा रही है। बैठक के बाद सहप्रभारी संपत कुमार ने मिनीमाता चौक पुलगांव फिर सभा स्थल गांधी चौक का भी दौरा कर स्थल निरीक्षण किया।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के सहप्रभारी एस ए संपत कुमार ने कहा की भाजपा का मतदाताओं को धोखा देकर लोकतंत्र की हत्या कर जिस तरह देश में सरकार बनाई है वह पूरा देश जान गया है। जिस तरह देश में लोकसभा , महाराष्ट्र, हरियाणा , में चुनाव में धांधली कर मतदान के वोटो का प्रतिशत बढ़ाकर भाजपा ने अपनी जीत हासिल की.इसका राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सबूत के साथ प्रस्तुत किया है।

सेवा ही संकल्प देवेंद्र ठाकुर ने उठाई क्षेत्रीय समस्याओं की मांग

देवभोग। क्षेत्र के जनसेवक सभापति देवेंद्र ठाकुर ने प्रदेश के जननायक मुख्यमंत्री साय की धर्मपत्नी कौशल्या साय से उनके गृहग्राम कुन्कुरी बगिया हाउस में मुलाकात की इस दौरान उन्होंने गरियाबंद जिले की प्रमुख समस्याओं एवं मांगों से अवगत कराते हुए आवेदन प्रस्तुत किया प्रमुख मांगें-देवभोग में 100 बिस्तर अस्पताल की स्थापना बरकानी से उड़ीसा सीमा तक पक्का सड़क निर्माण सरगीगुड़ा से बाड़िंगांव तक पक्का सड़क निर्माण गंगाराजपुर से लिम्पारा -सुकलीभाटा तक पक्का सड़क निर्माण देवभोग से सीनापाली (ओडिशा बॉर्डर) रोड का चौड़ीकरण आश्वासन प्राप्त-इन सभी मुद्दों पर माननीय कौशल्या साय जी ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। स्थानीय जनता को उम्मीद-इन मांगों के पूरा होने से स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार होगा और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क सुविधा बेहतर होगी।जनसेवक की सक्रियता- देवेंद्र ठाकुर हमेशा क्षेत्र की समस्याओं को लेकर समय-समय पर मंत्रियों एवं जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करते रहते हैं, ताकि विकास कार्यों में किसी भी तरह की बाधा न आए और जनता की समस्याओं का समय पर समाधान हो।

देवेंद्र ठाकुर से इस मामले में जब बात हुई तो उन्होंने कहा कि - मेरा प्रयास हमेशा यही रहता है कि देवभोग और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुँचाऊँ। 100 बिस्तर अस्पताल और सड़कों के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सुविधा व आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी मैं चाहता हूँ कि हमारी यह आवाज़ जल्द ही ठोस कार्यवाही में बदले।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com